राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार, 27 अप्रैल 2025
वर्ष 14, अंक 18, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

जनचेतना की लौ- पुष्पेंद्र प्रताप सिंह और सीतापुर का आंगनबाड़ी भर्ती घोटाला...03

पाकिस्तान रेंजर्स की हिरासत में ब्रूस्स जवान,'मेरे बेटे को घर ले आइए...'...04

## तहव्वुर राणा ने मुंबई आतंकी हमलों पर किया बड़ा खुलासा, 26/11 पर इस व्यक्ति को बताया जिम्मेदार

स्वतंत्र प्रभात

मुंबई में 26/11 के भयानक आतंकी हमलों का नाम लेते ही तहव्वुर हुसैन राणा का जिक्र सामने आता है। अब इस मामले में बड़ी खबर सामने आई है। मुंबई क्राइम ब्रांच की पूछताछ में तहव्वुर राणा ने खुद को हमलों से पूरी तरह अलग बताया है। राणा ने कहा कि उसका 26/11 से कोई लेना-देना नहीं है और इसके लिए उसने अपने बचपन के दोस्त डेविड कोलोमन हेडली को जिम्मेदार ठहराया है। सूत्रों के अनुसार, राणा ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि हमले की साजिश में उसकी कोई भूमिका नहीं रही। उसका यह बयान जांच एजेंसियों के लिए एक नई चुनौती बन गया है।

**केरल में भी गया था तहव्वुर राणा**

पूछताछ के दौरान तहव्वुर राणा ने यह भी कबूल किया कि वह दिल्ली और मुंबई के अलावा केरल भी गया था। जब अधिकारियों ने वजह पूछी तो राणा ने कहा कि वह अपने जानने वालों से मिलने के लिए केरल गया था। उसने उन जानकारों का नाम और पता भी एजेंसियों को उपलब्ध कराया है। सूत्रों का कहना है कि राणा की दी गई जानकारी की पुष्टि करने के लिए मुंबई क्राइम ब्रांच की एक टीम जल्द ही केरल रवाना हो सकती है।

**पूछताछ में बेहद शांत नजर आया राणा**

एक अधिकारी ने बताया कि तहव्वुर राणा बेहद ट्रेंड अपराधी है। उसकी उम्र भले ही ज्यादा हो गई हो लेकिन वह पूछे गए सवालों का बिना घबराए जवाब देता है और कई बार गुमराह करने की भी कोशिश करता है। इतना ही नहीं, पूछताछ के दौरान जब नमाज का समय होता है तो वह इंटेरोगेटर से कहता है कि उसे 15 मिनट के लिए नमाज अदा करनी है और इस दौरान उसे डिस्टर्ब न किया जाए। राणा का यह रवैया एजेंसियों को उसकी मानसिक मजबूती और प्रशिक्षण का अहसास कराता है।

**अमेरिका से कैसे भारत लाया गया तहव्वुर राणा**

26/11 हमलों के एक प्रमुख आरोपी तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत लाना आसान नहीं था। राणा ने प्रत्यर्पण से बचने के लिए अमेरिका में कई कानूनी प्रयास किए। यहां तक कि उसने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में इमरजेंसी अर्जी भी लगाई थी। लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद जब उसकी सभी याचिकाएं खारिज हो गई तो उसका भारत प्रत्यर्पण संभव हो सका। एनआईए और एनएसजी की टीमों ने मिलकर लॉस एंजेल्स से उसे एक विशेष विमान के जरिए भारत लाया। इस पूरी प्रक्रिया में भारत के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने अमेरिकी एजेंसियों के साथ मिलकर अहम भूमिका निभाई। एनआईए ने राणा के प्रत्यर्पण के लिए कई वर्षों तक अमेरिकी एफबीआई और न्याय विभाग के साथ समन्वय किया था।

**26/11 हमले की कहानी जिसने हिला दी थी दुनिया**

याद दिला दें कि 26 नवंबर 2008 को दस आतंकवादियों ने मुंबई के ताज होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट, छत्रपति शिवाजी टर्मिनस और नरीमन हाउस जैसे स्थानों पर हमला किया था। इस आतंकी हमले में 166 लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों घायल हुए थे। पूरी दुनिया इस हमले से हिल गई थी। भारत की जांच एजेंसियों का आरोप है कि तहव्वुर राणा ने पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के साथ मिलकर इस हमले की योजना बनाने में मदद की थी।

## मुझे योगी से मिलने की जरूरत नहीं, न ही मेरा मन- बृजभूषण शरण सिंह

स्वतंत्र प्रभात

**गोंडा-** उत्तर प्रदेश के गोंडा से सांसद रहे बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि वह सीएम योगी से मिलने नहीं जाते और न ही उन्हें जरूरत है और न ही सीएम को उनसे मिलने की कोई जरूरत है। उन्होंने कहा कि सीएम से उनकी कोई नाराजगी नहीं है और न ही कोई बैर है। हमने कोई ऐसी शपथ भी नहीं ली कि हम कभी मिलेंगे नहीं।

**बृजभूषण सिंह ने ये भी कहा...**

बृजभूषण सिंह ने कहा कि सीएम योगी प्रदेश के मुख्यमंत्री है। मेरे बेटे करण भूषण सिंह ( भाजपा सांसद) और प्रतीक भूषण सिंह ( भाजपा विधायक) उनसे मिलते रहते हैं। लेकिन मैं नहीं जाता हूं। क्योंकि हमें जरूरत नहीं है।

**विधायक अधिकारियों के पैर छू रहे... '**

बृजभूषण सिंह ने आगे कहा कि, आज काम के लिए सिफारश जरूरी है। आज हालात ऐसे है कि विधायकों को अपना काम निकलवाने के लिए अफसरों के पैर छूने पड़ते हैं। जो काम अफसरों को स्वप्रेरणा से करना



चाहिए, उसके लिए भी सिफारिश लगती है। कहीं न कहीं सत्ता का प्रभाव सीमित हो गया।

**राहुल गांधी के बारे में ये बोले बृजभूषण**

विपक्ष को लेकर पूछे गए सवाल पर बृजभूषण सिंह ने कहा कि इस देश में एक मजबूत विपक्ष की जरूरत है। विपक्ष का काम है सरकार को चेताना, सतर्क करना और समय पर ठोक देना। राहुल गांधी को अभी सीखने की जरूरत है। राहुल का नाम यानी खानदान भले ही नेहरू और इंदिरा गांधी से जुड़ा हो, लेकिन उनका खुद का कोई स्पष्ट विजन नजर नहीं आता। वह देश के लिए क्या करना चाहते हैं, यह समझ नहीं आता। राहुल अभी सीखें, गंभीरता लाएं। उन्हें चाहिए कि वो हमसे नहीं तो कम से कम अपने परिवार और पार्टी नेताओं से सीखें।

## सुप्रीम कोर्ट ने सावरकर के खिलाफ टिप्पणी पर राहुल गांधी को लगाई फटकार

स्वतंत्र प्रभात



### मानहानि मामले पर रोक लगाई

कोर्ट ने सावरकर के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर लखनऊ कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ लंबित आपराधिक मानहानि की कार्यवाही पर रोक लगा दी लेकिन मौखिक रूप से असहमति जताते हए चेतावनी दी कि अगर उन्होंने भविष्य में ऐसी कोई टिप्पणी की तो उनके खिलाफ स्वतः संज्ञान से कार्रवाई की जाएगी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। मामले की सुनवाई शुरू होते ही जस्टिस दत्ता ने राहुल गांधी के इस बयान पर आपत्ति जताई कि सावरकर अंग्रेजों के सेवक थे। जस्टिस दत्ता ने पूछा कि क्या महात्मा गांधी को अंग्रेजों का सेवक सिर्फ इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि उन्होंने वायसराय को लिखे अपने पत्रों में आपका वफादार सेवक शब्द का इस्तेमाल किया था।

जस्टिस दत्ता ने गांधी का प्रतिनिधित्व कर रहे सीनियर एडवोकेट एएम सिंघवी से पूछा,"क्या आपके मुवक्किल को पता है कि महात्मा गांधी ने भी वायसराय को संबोधित करते समय आपका वफादार सेवक शब्द का इस्तेमाल किया था? क्या आपके मुवक्किल को पता है कि उनकी दादी (इंदिरा गांधी) जब प्रधानमंत्री थीं, तब उन्होंने भी स्वतंत्रता सेनानी सज्जन (सावरकर) की प्रशंसा करते हुए एक पत्र भेजा था?"

जस्टिस दत्ता ने टिप्पणी की,"उन्हें स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बयान नहीं देना चाहिए। आपने कानून का एक अच्छा बिंदु रखा है। आप इस पर रोक लगाने के हकदार हैं। हम यह जानते हैं। लेकिन आप हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करते हैं। जब आपको भारत के इतिहास या भूगोल के बारे में कुछ भी पता नहीं है।"

जस्टिस दत्ता ने कहा,"वह एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। वह राजनीतिक दल के राजनीतिक नेता हैं। आपको इस तरह से परेशानी क्यों खड़ी करनी चाहिए? आप अकोला जाते हैं और यह बयान देते हैं, महाराष्ट्र में जहां उनकी (सावरकर की) पूजा की जाती है? ऐसा मत करो। आप यह बयान क्यों देते हैं?" उन्होंने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट के जज भी ब्रिटिश काल में चीफ जस्टिस को "आपका सेवक" कहकर संबोधित करते थे।जस्टिस दत्ता ने कहा,"कोई इस तरह सेवक नहीं बनता। अगली बार कोई कहेगा कि महात्मा गांधी अंग्रेजों के सेवक थे। आप इस तरह के बयानों को बढ़ावा दे रहे हैं।"

पीठ ने कहा कि वह कार्यवाही पर रोक लगाने के लिए इच्छुक है लेकिन इस शर्त पर कि वह भविष्य में इस तरह का कोई बयान नहीं देंगे। जस्टिस दत्ता ने कहा,"हम आपको रोक देंगे...लेकिन हम आपको गैर-जिम्मेदाराना बयान देने से रोकेंगे। स्पष्ट कर दें कोई भी और बयान देने पर हम स्वतः संज्ञान लेंगे और मंजूरी का कोई सवाल ही नहीं है! हम आपको हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में कुछ भी बोलने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने हमें स्वतंत्रता दी है और हम उनके साथ ऐसा व्यवहार करते हैं?" सिंघवी ने मौखिक रूप से वचन दिया कि इस तरह का कोई बयान नहीं दिया जाएगा।न्यायालय ने आदेश में इस शर्त को निर्दिष्ट नहीं किया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा 4 अप्रैल को राहत देने से इनकार करने के बाद राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पिछले साल दिसंबर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गए भाषण को लेकर अदालत ने गांधी को आरोपी के तौर पर तलब किया था। इस भाषण में उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि सावरकर अंग्रेजों के सेवक थे और उन्होंने अंग्रेजों से पेंशन ली थी। एडवोकेट नृपेंद्र पांडे ने शिकायती मामला दायर किया, जिसमें दावा किया गया कि गांधी ने समाज में नफरत फैलाने के इरादे से विनायक दामोदर सावरकर को अंग्रेजों का सेवक कहा था। उन्होंने अंग्रेजों से पेंशन ली थी।

लखनऊ के एडिशनल सिविल जज (सीनियर डिविजन)/एसीजेएम आलोक वर्मा ने दिसंबर में पारित अपने आदेश में कहा था,"प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहले से छपे पर्चे और लीफलेट बांटना दर्शाता है कि राहुल गांधी ने समाज में नफरत और दुश्मनी फैलाकर राष्ट्र की बुनियादी विशेषताओं को कमजोर और अपमानित किया है।" हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने मौखिक रूप से टिप्पणी की थी कि गांधी के पास धारा 397 CrPC (धारा 438 BNSS) के तहत सेशन जज के समक्ष जाने का उपाय उपलब्ध है। इसे देखते हुए न्यायालय ने उनकी याचिका का निपटारा कर दिया।

## संक्षिप्त ख़बरें

### आरपीएफ के उत्पीड़न पर रामबाग फुटपाथ व्यापारी मिले विधायक हर्षवर्धन बाजपेई से



**प्रयागराज।** जनहित संघर्ष समिति युवा जिलाध्यक्ष अभिलाष केसरवानी के नेतृत्व में रामबाग के फुटपाथ व्यापारी सैकड़ो की संख्या में माननीय विधायक हर्षवर्धन बाजपेई आवास पर पहुंचे फुटपाथ व्यापारियों ने विधायक से बताया कि रामबाग रेलवे स्टेशन के आरपीएफ के अधिकारीगढ़ व्यापारियों का आर्थिक एवं मानसिक रूप से शोषण कर रहे है जिस पर विधायक ने तत्काल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी से बात की और व्यापारियों को आश्वासन दिया कि भ्रष्ट आरपीएफ के लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और व्यापारियों का शोषण कताई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा मौके पर एडवोकेट काव्या केसरवानी,एडवोकेट जानवी गुप्ता, शिवानी कनौजिया, आशा देवी, गीता देवी, रानी, रामकली, एडवोकेट नरेंद्र तिवारी, सोनू यादव, सचिन गुप्ता, नामित केसरवानी, शत्रुघ्न जायसवाल, शलभ पांडेय रवि शुक्ला।

### अपने ही बेटे की शराबी पिता ने कर दी हत्या

**शाहजहांपुर** जनपद के थाना जलालाबाद क्षेत्र के गांव हरेवा में एक शराबी पिता ने अपने ही 7 साल के बेटे की पैर से गला दबाकर हत्या कर दी जिससे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है और अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार गांव हरेवा निवासी विनोद कुमार पुत्र नत्थू लाल शराब पीने का आदी है। शुक्रवार को दोपहर में अपने तीन बच्चों के साथ घर पर ही शराब के नशे में लेटा हुआ था। और उसने अपने 7 वर्ष के बड़े बेटे नितेश के गले पर पैर रखकर उसकी हत्या कर दी। आनंद फानन में परिवार के अन्य लोग जलालाबाद के एक निजी चिकित्सक के पास उसको लेकर गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन लास को लेकर अपने गांव चले गए। ग्रामीणों ने बताया की शराब पीने से तंग आकर उसकी पत्नी स्नेह लता एक महा पूर्व अपने मायके चली गई और तीनों बच्चे नितेश

## दिल्ली की अदालत ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग में सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से इनकार

स्वतंत्र प्रभात

**दिल्ली** की एक अदालत ने शुक्रवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने कहा कि जब तक अदालत पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हो जाती, तब तक ऐसा आदेश पारित नहीं किया जा सकता।

न्यायाधीश ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर आरोपपत्र (अभियोजन शिकायत) में कुछ दस्तावेज गायब थे।न्यायालय ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय को पहले उक्त दस्तावेज दाखिल करने होंगे और उसके बाद नोटिस जारी करने के पहलू पर निर्णय लिया जाएगा।अब इस मामले की सुनवाई 2 मई को होगी। इस महीने की



शुरुआत में ईडी ने इस मामले में गांधी परिवार के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की थी। ताजा अभियोजन शिकायत मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 की धारा 44 और 45 के तहत दर्ज की गई है।

विवाद अब बंद हो चुके नेशनल हेराल्ड अखबार के प्रकाशक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) के अधिग्रहण के इर्द-गिर्द केंद्रित है। 2010 में, एक नवगठित कंपनी, यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड (YIL) ने ?50 लाख में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से AJL के ऋण खरीदे। इसके बाद, YIL ने AJLकी संपत्तियों पर नियंत्रण कर लिया, जिनका मूल्य ?2,000 करोड़ से अधिक था। सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास YIL में बहुलांश हिस्सेदारी थी, जिसके कारण आरोप लगे कि उन्होंने,छ्रु की मूल्यवान संपत्तियों पर नियंत्रण पाने के लिए पार्टी के फंड का इस्तेमाल किया।

2014 में शुरू की गई ईडी की जांच कांग्रेस पार्टी, एजेएल और वाईआईएल के बीच वित्तीय लेन-देन पर केंद्रित थी। एजेंसी का आरोप है कि गांधी परिवार और कांग्रेस के अन्य नेता व्यक्तिगत लाभ के लिए एजेएल की संपत्तियों का दुरुपयोग करने की योजना में शामिल थे। हाल ही में, ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एजेएल से जुड़ी संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने की पहल की है, जिनकी कीमत लगभग ?661 करोड़ है।

## चक मार्ग पर लगे विशाल काय सेमल के पेड़ को चोरों ने काटा

स्वतंत्र प्रभात

**सिंगाही खीरी।** विकासखंड निघासन की ग्राम पंचायत मे चकमार्ग की जमीन पर लगे विशाल काय सेमल के पेड को चोरी से काट लिया गया निघासन एसडीएम ने हल्का लेखपाल से रिपोर्ट मांगी है। ग्राम पंचायत सिंगाही देहात में चकमार्ग दो दिन पहले चक मार्ग पर एक बड़े व विशालकाय सेमल के पेड़ को चोरी से काट लिया गया पंचायत के ग्राम प्रधान व विकास अधिकारी व क्षेत्रीय लेखपाल को इसकी भनक नहीं लगी जिससे यहां साबित होता है कि कहीं न कहीं से इन लोगों की भूमिका भी इस पेड़ को गायब करने में संदिग्ध है ग्राम के चक मार्ग में लगे पेड़ की अवैध कटाई का मामला सामने आया है। जिसमे जिम्मेदारों की भूमिका संदिग्ध लग रही है। चोरी से पेड़ काटे जाने की सूचना पाकर निघासन उप जिलाधिकारी राजीव निगम ने हल्का लेखपाल को जांच करने के आदेश दिए





इस मामले की शिकायत मिलने पर उपजिलाधिकारी निघासन राजीव निगम तत्काल जांच कराकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

एसडीएम निघासन राजीव निगम ने बताया की, चकमार्ग पर लगे पेड़ सार्वजनिक संपत्ति है और इनकी कटाई गैरकानूनी है मामले की गम्भीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए गए हैं, और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होगी।

## भीषण सड़क हादसे में टक्कर के बाद ट्रक और हाइवा में लगी आग, जिंदा जला चालक!

स्वतत्र प्रभात ब्यूरो।

**प्रयागराज।** मिर्जापुर जिले के पड़री क्षेत्र के गुरखुली नदी के पास बृहस्पतिवार की देर रात ट्रक व हाईवा में टक्कर हो गई। जिससे दोनों वाहनों में आग लग गई। आग लगने से ट्रक सवार व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। जबकि उसका भाई झुलस गया। गंभीर हालत में उसका उपचार चल रहा है।मिर्जापुर वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बृहस्पतिवार की देर रात गुरखुली नदी पुल पर डीबीएल कंपनी द्वारा रोड का कार्य किया जा रहा था। बोकारो से लोहे की चद्दर लाद कर 14 चक्का ट्रक मिर्जापुर की तरफ से जबलपुर जा रहा था। गुरखुली नदी पर पहुंचा ट्रक डीबीएल कंपनी के हाइवा से टकरा गया। जिससे लोहे की चद्दर लदे ट्रक में आग लग गई।

आग लगने पर ट्रक में सवार चालक और उसका भाई फंस गए। मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से आग बुझाने के साथ ही किसी तरह दोनों को बाहर निकाला गया। आग की चपेट में आकर चालक सुरेंद्र कुमार निवासी भरवाड़ा जिला ललितपुर थाना भरवाड़ा की जलकर मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से झुलसे उसके भाई को ट्रामा सेंटर मिर्जापुर में भर्ती कराया गया है। थानाध्यक्ष दयाशंकर ओझा ने बताया कि दो ट्रक की टक्कर के बाद आग लगी। एक ट्रक की आग को बुझा दिया गया। दूसरे ट्रक से एक व्यक्ति को बाहर निकला गया। दूसरे की आग की चपेट में आने से जलकर मौत हो गई। झुलसे व्यक्ति का उपचार चल रहा है।

## मनोज महेशा हॉस्पिटल में गलत इलाज के चलते मासूम की हुई मौत

### जच्चे की हालत भी नाजुक परिजन लगा रहे लापरवाही का आरोप

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

**लखीमपुर खीरी।** सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत धर्मकांटा के पीछे भूफोरवानाथ मंदिर के निकट बने मनोज महेशा हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान नवजात शिशु की हुई मौत,पिता ने डॉक्टर पर गलत इलाज करने का लगाया आरोप,जच्चा की हालत भी गंभीर पीड़ित ने उच्चाधिकारियों से लगाई गुहार। इससे पूर्व में भी इस मनोज महेशा हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हो चुकी है दो और मरीजों की मौत जिसके बाद इस हॉस्पिटल पर कभी भी कोई कार्यवाही नहीं की गई और आज फिर से इस मनोज महेशा हॉस्पिटल में एक बच्चे की मौत हो गई और वहीं जच्चा की हालत नाजुक बनी हुई है। इस हॉस्पिटल पर एक और भी आरोप सूत्रों के जरिए लग चुके है कि अगर परिजन अगर अपने मरीज को सुरक्षित महसूस नहीं समझते है तो वह जब अपने मरीज को यह से छुट्टी देने के लिए बोलते है तो हॉस्पिटल में बैठे प्राइवेट कर्मचारी मरीज पर अपना दबाव और मरीज को बंधक बनाकर उनके परिजनों से पहले अपने पैसे देने की डिमांड करते है उसके बाद उनको छुट्टी देने के लिए बोलते है नहीं तो कर्मचारी मरीज के परिजनों से बिना पैसे लिए नहीं छुट्टी देता है मनोज महेशा हॉस्पिटल । भले उस मरीज की जान क्यों न चली जाए।जब कोई घटना घटित हो जाती हैं तो वह बिना मरीज की हालत को परिजनों को बताकर ले जाने को कहने लगता है।

मनोज महेशा हॉस्पिटल और यहां के कर्मचारी ।जब डॉक्टर या उस कर्मचारी का नाम जानना चाहे तो रिसेप्सन पर बैठी प्राइवेट नर्स या वार्ड बॉय अपना नाम तक बताना उचित नहीं समझते । इस हॉस्पिटल में मरीज के किए गए उपचार के बाद दिए जाने वाले खर्च हुए पैसों का बिल भी एक साधारण सादे कागज पर बनकर उस मरीज के परिजनों के हाथों में थमा दिया जाता है जिस पर न ही हॉस्पिटल का नाम होता है न ही कोई मोहर व साइन होते है। जिससे यह जाना जा सके कि उस मरीज का इलाज अगर कराया गया है तो किस हॉस्पिटल में कराया गया है । इस तरह के कारनामे अधिक तर गांव से आए इलाज कराने





आए भोली भाली जनता के साथ अधिक होता है

शहर लखीमपुर में न जाने कितने अवैध हॉस्पिटल संचालित है जिनका न रजिस्ट्रेशन है न फायर न Noc ही कोई डॉक्टर और हॉस्पिटल बेधड़क दलालों के जरिए चल रहे हैं। मरीज इन्हीं के बहकावे में आकर इस तरह के बिना डिग्री डॉक्टरों व फर्जी अस्पतालों के शिकार हो जाते है। और मरीज हॉस्पिटल में भर्ती के बाद में मरीज का इलाज बिना जानकारी के करते हुए उनकी जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने में कोई कसर नहीं छोड़ते है । जिसके बाद परिजनों का हंगामा काटना शुरू हो जाता है और हॉस्पिटल संचालक मामले को सामने में जुट जाता है ।इन सबकी जानकारी जब आलाधिकारियों को दी जाती है तो केवल दिखावे के रूप में अस्पताल को कुछ दिनों के लिए सीज कर दिया जाता है और उसके कुछ समय बाद पुनः वही खेल अस्पतालों का चालू हो जाता है कब प्रशाशन इस तरह के अवैध हॉस्पिटल पर करेगा कड़ी कार्यवाही। न जाने किसने अस्पताल इसी तरह से खुलते रहते हैं और बंद होते रहते है । देखना अब यह है कि इस मरीज के परिजनों को कोई इंसाफ मिलेगा या फिर से हॉस्पिटल को खाना पूर्ति कर मामले को दबा दिया जाएगा।

# पाकिस्तान ने भारत को कमजोर आंकने की बड़ी गलती

**भयानक खामीयाजा भुगतेगा पाकिस्तान।**

पहलगाम में पाक समर्थित आतंक वादियों ने भारतीयों की विनम्रता और सज्जनता को कमजोरी समझ 28 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी पर उन्हें इस बात का कतई भान नही है कि अब भारत इतना ताकतवर और सशक्त है कि आंतकवादियों और उनके आकाओं को आकाश से पाताल तक खोज कर पूरी तरह नष्ट करने की क्षमता रखता है इसके अलावा उसे अमेरिका,रूस,इजरायल, फ्रांस, कनाडा, ब्रिटेन, सऊदी अरब तथा खाड़ी के अधिकांश देशों के साथ पूरी दुनिया का आतंकवाद के खिलाफ खुला समर्थन प्राप्त है को सिर्फ चीन तुर्क का भी पूरा समर्थन प्राप्त नही है, आज भारत आर्थिक रूप से पाकिस्तान से कई गुना शक्तिशाली होकर विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ तीसरी बड़ी सामरिक ताकत भी है। ताजा जानकारियों के अनुसार पहलगाम हत्याकांड में शामिल आतंकवादी लश्कर का कश्मीर का लोकल लीडर आसिफ शेख और उसके साथी का घर सेना द्वारा बम से उड़ा दिया गया है भारत देश की सेना अब आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने पर तत्पर है आगे भारतीय सेना आतंकियों के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई लड़ने जा रही है जिसमें आतंकवादी और उनकी आतंकवादी सोच के लिए उनके पीछे खड़े तथाकथित ताकतवर आकाओं को के ठिकानों को समूल नष्ट कर दिया जाएगा। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान आई एसआई समर्थित लश्कर ए तैयबा, जैस ए मोहम्मद और दी रेसिस्टेंट फ्रंट जैसे आतंकवादी संगठन को पाकिस्तान में घुसकर तहस-नहस कर दिया जाएगा। पाकिस्तान और उसके समर्थित आतंकवादी संगठनों ने भारत की विनम्रता को कमजोरी समझने की जो भूल की है इसका खामियाजा न सिर्फ आतंकवादी संगठनों को भुगतना पड़ेगा बल्कि पाकिस्तान भी भारत और भारतीय सेवा का निशान बनेगा। कूटनीतिक तौर पर भी भारत में चार बड़े फैसले करके पाकिस्तान को अधमरा कर दिया है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण 1964 में हुये सिंधु जल समझौते के करार को रद्द कर दिया गया है सिंधु नदी का 80त्न जल का उपयोग पाकिस्तान अपने लिए करता है अब पाकिस्तान एक-एक बूंद पानी के लिए तरसेगा और उसका उत्पादन एवं आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगी इसके अलावा पाकिस्तान दूतावास को भी भारत में बंद कर दिया गया है साथ ही पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के आदेश दे दिए गए हैं एवं भविष्य में पाकिस्तानियों के लिए भारत का वीजा अमान्य कर दिया गया है। भारत और पाकिस्तान की सीमा में बाघा बॉर्डर के रास्ते को भी बंद कर दिया गया जिससे पाकिस्तान को भारी आर्थिक नुकसान होने की संभावना है और पाकिस्तान का आर्थिक ढांचा पूरी तरह से चरमरा जाएगा। भारत के इस कड़े फैसले से पाकिस्तान का मनोबल वैसे ही आधा टूट चुका है अब यदि भारतीय सेना पाकिस्तान पर सामरिक हमला करती है तो पाकिस्तान दर-दर का भिखारी होकर पूरी तरह टूटने की कगार पर आकर खड़ा हो जाएगा। वैसे भी भारत को इस तरह के कदम पहले ही उठा लेने चाहिए थे क्योंकि लातों के भूत बातों से नहीं मानते हैं। भारत की संस्कृति एतिहासिक काल से विनम्रता,सदाशयता और सज्जनता की रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि पापी को नहीं पाप को नष्ट करना चाहिए।

समाजीकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमना शुरु करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सद्गुण है जो उसे हर मुसीबत से विजयी होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊंचाइयों पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊंचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी स्वप्न देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज्यादा से ज्यादा होने लगता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा ,सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सद्गुण का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है,या यह कहना चाहिए कि विनम्रता, संयम,सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूप मंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति 'अधजल गगरी छलकत जाए' की भांति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह ना आधा रह पाता है ना ही पूरा हो पाता है। क्योंकि बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सुकरात ज्ञानी होकर भी कहते थे कि मैं अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं, इस संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्ति कही

÷बड़ा भया तो क्या भया जैसे पेड़ खजूर,
पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर÷

यदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए क्योंकि बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है। फ़ल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्धि पाने पर व्यक्ति को विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता,सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अहंकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, क्योंकि अहंकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोक्ति लगभग शून्य होती है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में स्वत: निखार आने लगता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम राष्ट्रपति होने के बाद भी विद्यार्थियों के संपर्क में रहकर उनसे संवाद करते थे जो उनकी महानता को सदैव पुनीत करता रहा और उसी विनम्रता सहृदयता के कारण उन्हें भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी किया गया। ज्ञान का पिपासु व्यक्ति केवल सूचनाओं का भंडारण नहीं करता बल्कि वह उन्हें विनयशील भी बनाने का प्रयास करता है और यही विनम्रता विशाल हृदयता व्यक्ति को जीवन पथ पर अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करती है। विनम्रता से ही व्यक्ति पात्रता ग्रहण करता है और विनम्रता ही व्यक्ति को सामाजिक व्यवस्था में महान बनाती है ताकि उसका जीवन लोकहित में समर्पित रहे। विनम्रता व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक पहलु है। यदि नेतृत्व करता विनम्र हो उसके नेतृत्व को जनता स्वीकार करती है तो उससे अच्छा एवं समर्थ नायक राष्ट्र में नहीं पैदा हो सकता है। विनम्र शील व्यक्ति जनता के विचारों को आत्मसात कर अपने आप को परिपक्व बनाता है तथा अपने नेतृत्व को एक सही दिशा देने का कार्य करता है। विनम्रता का सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी थे राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता रूपी एक लक्ष्य को प्राप्ति के लिए चुना था और अहिंसा महात्मा गांधी के दो आभूषण की तरह थे जो विनम्रता को और भी मजबूत करते थे। यही कारण है कि हमने उनके नेतृत्व में स्वतंत्रता प्राप्त की थी। विनम्र व्यक्ति सदा सुखी एवं संतुष्ट रहता है क्योंकि उसकी ना तो महत्वाकांक्षा होती है, ना प्रतिस्पर्धा,ना द्वेष,ईर्ष्या ना लोभ ही होता है। सभी सद्गुणों से संपन्न व्यक्ति न सिर्फ अपने लिए बल्कि समाज के लिए भी बहुत उपयोगी होता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में एक बड़ा ही अनुकरणीय प्रसंग है कि जब वह ज्ञान प्राप्ति के लिए देशाटन में इधर-उधर वितरण कर रहे थे, तब लोगों ने उन पर पत्थर बरसाए उन्हें गालियां दी एवं उनको प्रताड़ित भी किया किंतु महात्मा बुद्ध इससे बिना विचलित हुए अपने कार्य तथा साधना की ओर अग्रसर होते हुए उन्होंने अंततः मां निर्वाण प्राप्त किया। और उनका ज्ञान का भंडार आज भी करोड़ों लोगों के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है। विनम्रता और सदाशयता वह महान गुण है एवं क्षमता है जो किसी भी व्यक्ति या समाज का हृदय परिवर्तन कर सकती और जीवन को सार्थकता की ओर ले जा सकती जिस मार्ग पर चलकर व्यक्ति बहुत बड़ा एवं महान हो जाता है विनय शीलता ही मोक्ष है अर्थात विनम्र व्यक्ति जीवन में सार्थकता और जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। विनम्रता तो व्यक्ति को धरातल से लेकर उठाकर हवा की तरह गगन के उस क्षेत्र में ले जाती है जहां वह सर्वोच्च कहे जाने वाले पर्वत से भी ऊंचा पहुंच जाता है। समाज का कुछ वर्ग विनम्रता को व्यक्ति की कमजोरी समझने का मुगालता पाल लेता है और इसी विनम्रता से ओतप्रोत व्यक्ति का आकार से दमन करने का प्रयास करता है किंतु यह एक सत्य बात है कि सत्य को कभी दबाया नहीं जा सकता ना ही प्राप्त किया जा सकता है, उसी तरह विनम्रता की शक्ति इतनी व्यापक होती है के पर्वत के समान कठोर बाधा भी दूर किसके सामने हो जाती है हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने विनम्रता के साथ ब्रिटिश बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया था। विनम्रता और सहिष्णुता ही है जिसने हमारी भारतीय संस्कृति को हजारों वर्षों से शास्वत बना के रखा है। किसी व्यक्ति समाज और किसी राष्ट्र के लिए विनम्रता सहिष्णुता और विचार शीलता ऐसे महान गुण उसे विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर कर सकते हैं।

**संजीव ठाकुर**

# संपादकीय

## भटके बादल , कहाँ गरजे, कहाँ बरसेंगे ?



हैरान मत होइए, मेरे निशाने में आज भी कोई बदलाव नहीं है । मै आज भी अपने प्राणप्रिय प्रधानमंत्री जी की ही बात कर रहा हूँ। आपको पढ़ना हो तो पढ़िए और न पढ़ना हो तो मत पढ़िए। मुझे अपने भाग्यविधाता उन भटके हुए बादलों की तरह नजर आ रहे हैं जिन्हें अपने गरजने और बरसने के ठिकानों का पता नहीं है। पहलगाम के नृशंस हादसे के बाद मोदी जी से उम्मीद थी कि वे रात 8 बजे दूरदर्शन पर दर्शन देंगे,या फिर पहलगाम में मौकाए वारदात पर नजर आएंगे,किन्तु ऐसा नहीं हुआ। वे आवारा बादलों की तरह उड़कर सीधे बिहार पहुँच गए। और बिहार के मधुबनी में मैथली में नहीं अंग्रेजी में बरसे और जमकर बरसे। ये कोई व्यंग्य की बात नहीं है। ये हकीकत है और पूरे देश और दुनिया ने माननीय मोदी जी को मधुबनी में गरजते हुए देखा है। उन्होंने मधुबनी में हिंदी में या मैथली में नहीं बल्कि अंग्रेजी में भाषण दिया । मंच चुनाव की सभा का था। सामने गैर अंग्रेजी समझने वाले लोग थे लेकिन मोदी जी अंग्रेजी में बरसे । उन्होंने आतंकवादियों को चेतावनी दी की 'वी टार्गेटिड,आइडेंटिफाइड एंड पनिश्ड।'मुझे लगा कि मोदी जी को पता है की पहलगाम में नृशंस हत्याकांड करने वाले आतंकवादी हिंदी या उर्दू या मैथिली नहीं जानते, वे केवल अंग्रेजी जानते हैं इसलिए उन्हें अंग्रेजी में ही धमकाया जाए। मुमकिन है कि माननीय मोदी जी भूल गए हों कि वे मधुबनी की चुनावी सभा में नहीं बल्कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में बोल रहे हैं और वहां अंग्रेजी में ही बोलने से दुनिया उनकी बात समझेगी।

मुमकिन है कि मोदी जी का प्रयोग कामयाब भी हो जाये । उनकी चेतावनी को आतंकवादी और पाकिस्तान दोनों समझ गए हों और भारत की ओर से संभावित जबाबी कार्रवाई से बचने में जुट गए हों। पाकिस्तान को पता है कि मोदी जी खाली बादल नहीं हैं, वे गरजे हैं तो कहीं न कहीं बरसेंगे भी। मोदी जी को बरसना भी चाहिए अन्यथा जनता उन्हें और उनकी पार्टी को एकदम से ख़ारिज कर देगी। मोदी जी के सामने हिन्दुओं के जख्मों पार मरहम लगाने के साथ ही पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी से भी बड़ी जंग छेड़ना होगी। बात अब जंग से कम पर हो ही नहीं सकती। भारत सरकार द्वारा पहलगाम हत्याकांड के फौरन बाद उठाये गए कदमों से पाकिस्तान में बौखलाहट है । भारत ने सिंधु जल समझौता रद्द किया तो पाकिस्तान शिला समझौता रद्द करने की धमकी दे रहा है ,हालाँकि अभी उसने ऐसा किया नहीं है। हम तो कहते हैं कि पाकिस्तान कोजो करना है वो करे,लेकिन हमें जो भी करना है हम भी करें और निर्णायक ढंग से करें। हम पहलगाम हत्याकांड को बिहार चुनाव के लिए मुद्दा बनाने की गलतीं करें। लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा । माननीय मोदी जी ने तमाम रोकटोकी के बावजूद पहलगाम गत्यकांड को चुनावी मुद्दा बना ही दिया। वे बिहार में भी इस नृशंस हत्याकांड के सहारे ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी पूरे 11 साल से ध्रुवीकरण में लगी है । ध्रुवीकरण भाजपा और प्रधानमंत्री जी का प्रिय खेल है। वे पहलगाम हत्याकांड के बाद पूरे देश को एक ध्रुव पर लाने के बजाय केवल हिन्दुओं का ध्रुवीकरण कर रहे हैं। जनभावनाओं के विरुद्ध जाकर मोदी जी और उनकी सरकार जिस तरह से ध्रुवीकरण का खेल खेल रही है उससे आतांकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई कमजोर हो सकती है। मोदी जी को अभी एक देश ,एक चुनाव की तरह पूरे देश को एक सूत्र में बांधने की कोशिश करना चाहिए थी लेकिन हो उलटा रहा है। हत्याकांड पाक सेना द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादियों ने किया और सजा दी जा रही है भारत के मुसलमानों को जबकि पहली बार देश भर में मुसलमान तक इस हत्याकांड के खिलाफ एकजुट नजर आ रहे हैं।

मैंने पहले दिन ही ये आशंका जताई थी कि भाजपा और हमारी लंगड़ी सरकार पहलगाम गत्याकाण्ड का इस्तेमाल चुनावों के लिए ठीक उसी तरह करेगी,जैसे की उसने पुलवामा काण्ड का किया था। पुलवामा के शहीदों की तस्वीरें चुनावी सभाओं में खुलकर लगाई गयीं थीं। न केंद्रीय चुनाव आयोग सरकार और भाजपा को रोक पाया था और न अदालतें। आज भी यही सब हो रहा है। खुद मोदी जी ने पहलगाम हत्याकांड का इस्तेमाल बिहार विधानसभा के चुनावों के लिए किया। बेहतर होता कि वे बिहार विधानसभा चुनावों को भूलकर पहलगाम हत्याकांड का जबाब देने में अपना समय खर्च करते ,किन्तु ऐसा नहीं किया गया। मोदी जी ने एक बार फिर अपने मन की कर दी। बधाई उन्हें, क्योंकि आलोचनाओं का और विरोध का तो मोदी जी पर कोई असर पड़ता ही नहीं है। मोदी जी का तो ट्रेक रिकार्ड रहा है कि वे जहाँ जाना होता है ,वहां भूलकर भी नहीं जाते और जहां नहीं जाना चाहिए वहां सबसे पहले जाते हैं। आपको याद होगा कि ढाई साल से जल रहे मणिपुर में मोदी जी नहीं गए तो नहीं गए। उन्हें मुर्शिदाबाद और मालदा के दंगों के बाद बंगाल नहीं जाना था,वे नहीं गये । उन्हें पहलगाम जाना चाहिए था किन्तु नहीं गये । अब ये ड्यूटी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी निभा रहे हैं। राहुल अमरीका से वापस लौटे है और सीधे श्रीनगर जा रहे हैं। उनके जाने से क्या होगा और क्या नहीं ये वे जानें लेकिन मै इतना कह सकता हूँ कि राहुल ने अक्ल से काम लिया है। वे भी श्रीनगर न जाकर मधुबनी से पीड़ितों के प्रति अपनी सहानुभूति का प्रदर्शन कर सकते थे, लेकिन वे मधुबनी नहीं गए। वे मोदी जी का पीछा नहीं कर रहे हैं ,फिर भी पूरी भाजपा जितना पाकिस्तान से नहीं डरती उससे कहीं ज्यादा कांग्रेस और राहुल गाँधी से डरती है। अंततोगत्वा मुझे उम्मीद है कि मोदी जी पाकिस्तान को सबक जरूर सिखाएंगे । हम सब उनके साथ हैं क्योंकि मसला देश की सम्प्रभुता,एकता और अखंडता से जुड़ा है। इस मामले पर हम कोई राजनीति नहींकरना चाहते ,किसी को भी नहीं करना चाहिये । राहुल गाँधी को भी भी नहीं औरमोदी जी को भी नहीं। किन्तु मुझेपता है कि मेरे जैसे अदने से लेखक की बात मानता कौन है ? न माने लेकिन मै अपना काम कर रहा हों और मैं कोई भटका बादल नहीं हूँ की गरजूं कहीं और और बरसूं कहीं और।

**राकेश अचल**

# पाकिस्तान को कड़ा सबक देना जरूरी है



जिस तरह पहलगाम में अपने देश में अपनी ही धरती पर हमारे छिपे गद्दारों की मदद से निर्दोष हिन्दू पर्यटकों का धार्मिक पहचान के बाद बहशियाना नरसंहार किया गया है वह अक्षम्य है। अपनी दशकों पुरानी छदम युद्ध की हरकतों से बाज नहीं आ रहे आतंकी देश पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत ने जिस प्रकार से कड़े कदम उठाए हैं, इसकी जरूरत काफी पहले से ही महसूस की जा रही थी। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा यह देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-चार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली है। इसका प्रमुख सैफुल्लाह रावलकोट का रहने वाला है और खुफिया एजेंसियों को इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस हमले में पाकिस्तान का हाथ है। यही कारण है कि अब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए कई कड़े कदम उठाए हैं।आप को बता दें कि भारत ने एक तरफ से पाकिस्तान को कूटनीतिक स्ट्राइक किया है, जिसका पाकिस्तान पर काफी गंभीर असर पड़ेगा और पहले से ही कंगाल पाकिस्तान और कंगाली के तरफ बढ़ेगा। भारत ने सबसे बड़ा कदम उठाते हुए सिंधु जल समझौता स्थगित कर दिया है, वो भी तब तक जब तक कि पाकिस्तान आतंकवाद से तौबा न कर ले। नदियों के जल बंटवारे के लिए भारत और पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्था में की थी। इस सौंध पर कराची में 19 सितंबर 1960 को भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपत्ति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे। 1960 में हुए सिंधु जल समझौते के बाद से भारत और पाकिस्तान में कश्मीर मुद्दे को लेकर तनाव बना हुआ है। हर प्रकार के असहमति और विवादों का निपटारा संधि के ढांचे के भीतर प्रदत्त कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से किया गया है। यह समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच कई युद्ध होने के बाद भी बना हुआ था। मगर जब पानी सिर के ऊपर से बहने लगा है, तो भारत ने कदम उठाया है। यही कारण है कि देश के इस कदम को कई एक्सपर्ट पहले बाटर युद्ध की शुरुआत बता रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सिंधु जल समझौता भारत के लिए एक गलती की तरह से है। इस समझौते से पाकिस्तान को 6 नदियों का ज्यादातर पानी मिल गया। उन्होंने बताया कि साल 2016 में पीएम मोदी ने उरी आतंकी हमले के बाद कहा था कि 'खून और पानी एक साथ नहीं यह सकते हैं। 'मोदी सरकार को यह सिंधु जल समझौता सस्पेंड करने का फैसला लेने में 8 साल लग गया। दरअसल ब्रिटिश शासन में दक्षिण पंजाब में सिंधु नदी घाटी पर एक बड़ी नहर बनाई गई थी। इसके चलते इस क्षेत्र के किसानों को बहुत फायदा हुआ और यह एक प्रमुख कृषि क्षेत्र बनकर उभरा। 1947 में भारत के बंटवारे के बाद पंजाब भी दो हिस्सों में विभाजित हो गया। पूर्वी पंजाब भारत में आया, जबकि पश्चिमी पंजाब पाकिस्तान में चला गया। इसके दौरान सिंधु नदी घाटी और इसकी नहरों का भी बंटवारा किया गया। इससे मिलने वाले जल के लिए पाकिस्तान पूरी तरह भारत पर निर्भर था। पानी के प्रवाह को बनाए रखने के उद्देश्य से 20 दिसंबर 1947 को पूर्वी और पश्चिमी पंजाब के चीफ इंजीनियरों के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें तय हुआ कि देश के विभाजन से पहले निर्धारित निश्चित जल का हिस्सा भारत 31 मार्च 1948 तक पाकिस्तान को देता रहेगा। समझौता खत्म होने के बाद भारत ने 1 अप्रैल 1948 को दो नहरों का पानी रोक दिया, जिससे पाकिस्तान के हिस्से वाले पंजाब में लाखों एकड़ कृषि भूमि के लिए सिंचाई जल मिलना काफी मुश्किल हो गया। हालांकि, दोनों देशों के बीच बाद में हुए समझौते के बाद भारत पानी छोड़ने पर सहमत हो गया। संधि के अनुसार भारत को पूर्वी नदियों राबी, ब्यास और सतलुज का पानी मिलता है, जबकि पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब का पानी मिलता है। यह संधि पाकिस्तान के लिए इसलिए फायदेमंद है, क्योंकि इन नदियों से कुल जल प्रवाह का लगभग 80 प्रतिशत उसे प्राप्त होता है, जो पाकिस्तान में विशेष रूप से पंजाब और सिंध प्रांतों में कृषि के लिए महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान की 80 प्रतिशत खेती योग्य भूमि यानी लगभग 16 मिलियन हेक्टेयर सिंधु नदी प्रणाली के पानी पर निर्भर है। इस पानी का 93 प्रतिशत हिस्सा सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जो देश की कृषि के लिए मुफीद है। सिंधु जल संधि 237 मिलियन से अधिक लोगों का भरण-पोषण करती है, जिसमें पाकिस्तान की सिंधु बेसिन की आबादी का 61 प्रतिशत हिस्सा है। यही कारण है कि इस समझौते से पीछे हटने के बाद पाकिस्तान बौखला गया है और भारत को धमकी दे रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने एक मई से अटारी बॉर्डर बंद करने का ऐलान किया है। जो लोग वैध तरीके के साथ सीमा पार कर चुके हैं, वे 1 मई 2025 से पहले उस मार्ग से वापस आ सकते हैं। अठारी वाघा सीमा भारत और पाकिस्तान के बीच सड़क मार्ग से होने वाले व्यापार का प्रमुख केंद्र है। 2019 में भारत द्वारा पाकिस्तान को मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा वापस लेने और व्यापारिक रिश्तों में कटौती के बाद भी कुछ वस्तुओं ताजे फल, सीमेंट और टमाटर का आयात-निर्यात इस सीमा के जरिए होता रहा है। इस चेकपोस्ट के बंद होने से पाकिस्तान को भारत से टमाटर, चीनी, चाय और अन्य आवश्यक वस्तुओं का आयात प्रभावित होगा, जिससे वहां इन वस्तुओं की कीमतें बड़ सकती हैं। भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को 'व्यक्ति गैर-वांछित 'घोषित किया गया है और उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। दोनों उच्चायोगों से सेवा सलाहकारों के पांच सहायक कर्मचारियों को भी वापस बुलाया जाएगा। इसका असर होगा कि पाकिस्तान की इंटरनेशनल बेइज्जती होगी। उस पर आतंकवादी देश होने का तमगा और मजबूत होगा। हर देश उससे दूरी बनाकर रखना चाहेगा और उसके नागरिकों को दूसरे देशों में आतंकवादी होने के शक में चीजा लेने में दिक्कत होगी, जो दूसरे देशों में रह रहे हैं, उन्हें भी संदेह की नजरों से देखा जाएगा। पाकिस्तान में कोई निवेश नहीं करना चाहेगा। भारत में स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के कर्मचारियों की कुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 कर दिया जाएगा। ये 01 मई 2025 तक किया जाना है। इससे पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव बढ़ेगा। पाकिस्तान उच्चायोग के जरिए आतंकवादियों की मदद करता रहा है। साथ ही भारत विरोधी लोगों को अलग-अलग तरीके से फंड करता रहा है। अब इन कर्मचारियों की कमी की वजह से उसके गलत कामों में कमी आएगी। साथ ही उसकी इंटरनेशनल बेईन्जती भी होगी। इसके अलावा पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क बीजा छूट योजना (एसबीईएस) वीजा के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पाकिस्तानी नागरिकों को अतीत में जारी किए गए किसी भी एसवीईएस वीजा को रद्द माना जाएगा। सिर्फ इतना ही नहीं भारत और भी कड़े कदम उठा सकता है। आतंकी देश कभी सुधरने वाला नहीं है, इसलिए इस देश को सबक सिखाना जरूरी है।आने वाले दिनों में आतंकवाद के फन को और अधिक सख्ती से कुचलने की जरूरत है वहीं सुरक्षा बलों को अधिक मुस्तैद होने की आवश्यकता है ।

**मनोज कुमार अग्रवाल**

# जब दर्द सरहदें लांघता है, तो जवाब भी वैश्विक होना चाहिए

**आतंकवाद- एक वैश्विक दानव, जिसके खिलाफ विश्व को जागना होगा**




जब किसी देश की धरती पर मासूमों का लहू बहाया जाता है, तो वह केवल एक राष्ट्र की त्रासदी नहीं होती-वह पूरी मानवता की हार होती है। जम्मू-कश्मीर में हुआ हालिया आतंकी हमला भी ऐसा ही एक अमानवीय कृत्य था, जिसने न केवल भारत को, बल्कि पूरे विश्व को झकझोर कर रख दिया। यह हमला हमें याद दिलाता है कि आतंकवाद अब सीमाओं में कैद नहीं रहा, यह एक वैश्विक दानव बन चुका है, जो कहीं भी, किसी भी समय अपने नापाक पंजे फैला सकता है। और यही कारण है कि इस लड़ाई में केवल संवेदना और निंदा पर्याप्त नहीं-अब समय है निर्णायक और एकजुट कदमों का। आतंकवाद का यह चेहरा नया नहीं है। दशकों से भारत इस आग में झुलस रहा है। जम्मू-कश्मीर, जो कभी अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांति के लिए जाना जाता था, आज बारूद और खून की कहानियां बयां करता है। हर हमले के बाद एक ही सिलसिला दोहराया जाता है-नेता निंदा करते हैं, संवेदनाएं व्यक्त की जाती हैं, और फिर कुछ समय बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन क्या यह सामान्य स्थिति वाकई सामान्य है? क्या हम इस सच को स्वीकार कर सकते हैं कि निर्दोषों की जानें यूं ही जाती रहें और हम केवल शोक मनाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लें? नहीं, यह समय अब और चुप रहने का नहीं है। यह समय है उस व्यवस्था को बदलने का, जो आतंकवाद को बार-बार मौका देती है।

आतंकवाद की जड़ें गहरी हैं। यह केवल हथियारों और हिंसा तक सीमित नहीं है। इसके पीछे एक विचारधारा है, जो नफरत और असहिष्णुता को बढ़ावा देती है। यह विचारधारा सीमाओं के पार फैलती है और उन देशों से पोषण पाती है जो आतंकवाद को अपने राजनैतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। जम्मू-कश्मीर में हुए इस हमले ने एक बार फिर उन देशों की ओर ध्यान खींचा है जो आतंकियों को पनाह देते हैं, उन्हें हथियार और आर्थिक मदद देते हैं। क्या ऐसे देशों को जवाबदेह ठहराने का समय नहीं आ गया है? क्या अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश नहीं देना चाहिए कि आतंकवाद का समर्थन करने वालों को भी उसी तरह सजा मिलेगी, जैसे आतंकियों को? लेकिन यह जिम्मेदारी केवल भारत की नहीं है। आतंकवाद एक वैश्विक समस्या है, और इसका समाधान भी वैश्विक स्तर पर ही संभव है। आज भारत में निर्दोष मारे जा रहे हैं, कल यह किसी और देश में हो सकता है। आतंकवाद किसी धर्म, जाति या देश को नहीं देखता-यह केवल तबाही मचाता है। इसलिए हर उस देश को, जो शांति और मानवता में विश्वास रखता है, इस लड़ाई में साथ आना होगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, साझा खुफिया जानकारी, और आतंकी वित्त पोषण पर सख्त नियंत्रण-ये कुछ ऐसे कदम हैं जो इस दिशा में तुरंत उठाए जाने चाहिए। साथ ही, डिजिटल मंचों पर फैल रही कट्टरता को रोकने के लिए भी कड़े कदम उठाने होंगे, क्योंकि आज आतंकवाद की भर्ती और प्रचार का सबसे बड़ा हथियार इंटरनेट बन चुका है।

इस लड़ाई में सरकारों के साथ-साथ आम लोगों की भी अहम भूमिका है। हमें अपने समाज में उन तत्वों को पहचानना होगा जो नफरत और हिंसा को बढ़ावा देते हैं। शिक्षा और जागरूकता के जरिए हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि हिंसा किसी समस्या का हल नहीं है। हमें उन्हें सहिष्णुता, करुणा और एकता की भावना देनी होगी, ताकि वे भविष्य में नफरत की इस आग को और न भड़कने दें। साथ ही, हमें उन सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी दूर करना होगा, जो अक्सर युवाओं को आतंकवाद की राह पर धकेल देती हैं। जब तक हम इन मूलभूत समस्याओं को हल नहीं करेंगे, तब तक आतंकवाद की जड़ें खत्म करना मुश्किल होगा। जम्मू-कश्मीर में हुए इस हमले ने एक बार फिर हमें यह सोचने पर मजबूर किया है कि आखिर कब तक हम इस तरह की त्रासदियों को सहते रहेंगे? हर बार जब कोई मासूम अपनी जान गंवाता है, तो वह केवल एक परिवार का नुकसान नहीं होता-वह हमारी सामूहिक संवेदनशीलता का नुकसान होता है। हमें यह समझना होगा कि आतंकवाद के खिलाफ यह लड़ाई केवल सेना या सरकार की नहीं है, यह हम सबकी लड़ाई है। हमें अपने स्तर पर भी उन छोटे-छोटे कदमों को उठाना होगा, जो इस जंग में बड़ा बदलाव ला सकते हैं-चाहे वह अपने आसपास फैल रही नफरत को रोकना हो, या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देना हो।

आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़े। अगर हम अपने राजनैतिक और कूटनीतिक स्वार्थों में उलझे रहे, तो यह आग एक दिन हमें भी अपनी चपेट में ले लेगी। हमें यह समझना होगा कि आतंकवाद के खिलाफ यह युद्ध लंबा हो सकता है, लेकिन इसे जीतना असंभव नहीं है। इसके लिए हमें दृढ़ संकल्प, साहस और एकजुटता की जरूरत है। हमें यह संदेश देना होगा कि हम न केवल आतंकवाद की निंदा करते हैं, बल्कि इसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने को भी तैयार हैं। जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए उन मासूमों और वीर जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम इस लड़ाई को अंत तक लड़ें। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी कुर्बानी व्यर्थ न जाए। यह समय केवल शोक मनाने का नहीं, बल्कि उस दृढ़ संकल्प को जगाने का है, जो आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंके। हमें यह संकल्प लेना होगा कि चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं, हम इस जंग को जीतकर ही दम लेंगे। क्योंकि यह लड़ाई केवल भारत की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की है। और इस लड़ाई में हर वह शख्स, हर वह देश शामिल होना चाहिए, जो शांति और न्याय में विश्वास रखता है। अब वक्त है कदम उठाने का, क्योंकि इतिहास हमें माफ नहीं करेगा अगर हमने इस मौके पर चुप्पी साध ली। अब दुनिया को एक होकर सिर्फ यह नहीं कहना है कि "हम निंदा करते हैं"। अब उसे कहना है-"हम कार्रवाई करेंगे, और आतंकवाद को समाप्त कर के ही दम लेंगे।" यही हमारी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी उन मासूमों को, जो आतंक की भेंट चढ़ गए।

**प्रो. आरके जैन**

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,**E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

## संक्षिप्त खबरें

### थावर पंचायत में लाखों की लागत से बन रहा अन्नपूर्णा भवन

ग्राम प्रधान माधुरी सिंह ने अन्नपूर्णा भवन का निरीक्षण



**काकोरी, लखनऊ।** ग्राम पंचायत थावर में बन रहे अन्नपूर्णा भवन का ग्राम प्रधान माधुरी सिंह व प्रतिनिधि अतुल कुमार सिंह ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान माधुरी सिंह ने कहा कि सरकार की योजनाओं में से एक मनरेगा अन्नपूर्णा भवन पर ग्रामीणों को सस्ती दरों पर सामान उपलब्ध कराने के लिए पंचायत में एक भवन बनाया जा रहा है। जहां सरकारी राशन की दुकान संचालित की जायेगी पंचायत में अन्नपूर्णा भवन का निर्माण किया जा रहा है।थावर पंचायत में लाखों की लागत से तैयार हो रहे मनरेगा अन्नपूर्णा भवन का जल्द ही शुभारंभ होगा।

### दीपक प्रजापति पुलिस के पद पर हुए चयनित

परिजनों और शुभचिंतकों में दौड़ी खुशी की लहर



**सिधौली।** अनुशासन से सफलता का पासवर्ड खुलता है। इसलिए सभी को अनुशासन परक पढ़ाई करनी चाहिए। यह मानना है दीपक प्रजापति का। बताते चलें कि क्षेत्र के भरौना के ग्राम प्रधान भगवान बक्स प्रजापति के पुत्र दीपक प्रजापति का उत्तर प्रदेश कांस्टेबल पद पर चयन हुआ है। जिससे भरौना सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। दीपक प्रजापति वर्तमान में यूपीपीसीएस (उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग) की तैयारी में संलग्न हैं, परंतु उनका कहना है कि वह हाल फिलहाल पुलिस विभाग की सेवा ज्वॉइन करेंगे और साथ ही अपनी उच्चस्तरीय तैयारी भी जारी रखेंगे। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता और गुरुजनों को दिया है। इस उपलब्धि पर कवयित्री पिंकी प्रजापति, डॉ. देवेंद्र कश्यप %निडर%, चंद्रशेखर प्रजापति, रोहित विश्वकर्मा, विनोद रावत, अरविंद प्रजापति, गुरुजी आर. डी. वर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने दीपक को बधाईयां और शुभकामनाएं दी हैं।

### सुखई पुरवा गांव के पास लगी आग से सैकड़ो बीघा पराली जलकर राख, खेतों में खड़े यूकलिप्टिस के पेड़ भी कई बीघहे झुलस गए





**बेनीगंज-** गुरुवार को बेनीगंज कोतवाली प्रताप नगर चौकी क्षेत्र के सुखई पुरवा गांव प्लाईवुड फैक्ट्री के पड़ोस से लगी आग इतना विकराल रूप धारण करते हुए बेकाबू हुई की देखते देखते सैकड़ो बीघा गेहूं की कटी हुई पराली जलकर राख हो गई। वहीं खेतों में किसानों की खड़ी यूकेलिप्टस के कई बीघहे पेड़ झुलस गए। झरोइया निवासी अरविंद सिंह के खेत में गन्ना की बुवाई के लिए एक डीसीएम और एक ट्राली गन्ना का बीज पड़ा हुआ था जो पूरी तरीके से जलकर राख हो गया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी तहसील मुख्यालय और जिला मुख्यालय पर होने की वजह से लगभग तीन घंटे से अधिक समय गुजर जाने के बाद मौके पर पहुंची उससे पूर्व प्रताप नगर चौकी प्रभारी गोपाल मणि मिश्रा अपने फोर्स के साथ खेतों में आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन नाकाम साबित हुए हैं। ग्रामीणों का भी अच्छा सहयोग होने के बावजूद भी आग अपना रूप दिखाती रही। लगातार 2 दिन से क्षेत्र में आग लग रही है कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। एक दिन पूर्व लगी आग जहां बिजली के द्वारा बताई जा रही थी तो आज की आग प्लाईवुड फैक्ट्री के पीछे से लगी बताई जा रही है। सूत्रों की माने तो इसमें कोई साजिश भी हो सकती है जिन लोगों की यूके लिपस्टिक के पेड़ झुलसें हैं।उनमें कौशल किशोर मिश्रा की 12 बीघा,आनंद शुक्ला की आठ बीघा, राजकमल तिवारी की 13 बीघा अन्य लोगों की भी झुलसने की जानकारी मिल रही है। जिससे नुकसान हुए ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। क्षेत्रीय लेखपाल और राजस्व की टीम आग लगने के पश्चात घंटों तक मौके पर नही पहुंची।

# जनचेतना की लौ- पुष्पेंद्र प्रताप सिंह और सीतापुर का आंगनबाड़ी भर्ती घोटाला

स्वतंत्र प्रभात





**सीतापुर।** जब व्यवस्था भ्रष्टाचार से संक्रमित हो जाए और पीड़ितों की आवाजें दीवारों से टकराकर लौट आएं–तब कोई एक व्यक्ति यदि निर्भीक होकर जनहित की लड़ाई लड़ता है, तो वह केवल समाजसेवी नहीं, बल्कि लोकतंत्र का सजग प्रहरी बन जाता है। सीतापुर के आंगनबाड़ी भर्ती घोटाले में ऐसा ही नाम है डॉ पुष्पेंद्र प्रताप सिंह। 17 अप्रैल को जब पुष्पेंद्र सिंह आमरण अनशन पर बैठे और 18 अप्रैल को सैकड़ों पीड़ित आवेदिकाओं की अगुवाई करते हुए प्रशासन से लिखित कार्यवाही का आश्वासन प्राप्त किया, तब यह स्पष्ट हुआ कि आंदोलन महज विरोध नहीं, जनचेतना का माध्यम बन चुका है। परंतु यह आश्वासन केवल एक रणनीति बनकर रह गया। न कोई कार्यवाही हुई, न ही दोषियों पर शिकंजा कसा गया। इसके उलट, 24 अप्रैल को जब पुष्पेंद्र सिंह सैकड़ों महिलाओं के साथ मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर रहे थे, तब प्रशासन की बौखलाहट खुलकर सामने आ गई। दो किलोमीटर की पदयात्रा के बाद आंदोलन को रोका गया और दबाव की राजनीति शुरू हुई। पहले भूमि विवाद के बहाने, फिर वन विभाग द्वारा उनके धर्मकांटे पर छापेमारी और 35 कुंतल लकड़ियाँ जब्त करना–यह सब किसी कानूनी प्रक्रिया से अधिक एक ईमानदार आवाज को कुचलने की बदले की कार्यवाही प्रतीत होती है। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है- क्या यह क़ानून का पालन था या सत्ता के दबाव का प्रदर्शन?

क्या जनहित की लड़ाई लड़ने वालों को ऐसे ही प्रताड़ित किया जाएगा? पुष्पेंद्र प्रताप सिंह कोई निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि उन सैकड़ों बेटियों और महिलाओं की उम्मीद बनकर खड़े हैं जिन्हें भ्रष्ट तंत्र ने न्याय से वंचित कर दिया है। आज यदि इस आवाज को दबा दिया गया, तो कल कोई भी बोलने का साहस नहीं करेगा। अब यह देखना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक यह सच्चाई पहुंचेगी या नहीं?

क्या उत्तर प्रदेश सरकार इस महाघोटाले की निष्पक्ष जांच कराएगी? या फिर जिला प्रशासन की तानाशाही के सामने जनता की उम्मीदें एक बार फिर हार जाएंगी? पुष्पेंद्र प्रताप सिंह अकेले नहीं हैं–जनसमर्थन उनकी ढाल है।यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं, समूचे लोकतंत्र की है।

## निगोहां क्षेत्र में चोरों का आतंक, सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ.......

स्वतंत्र प्रभात

**मोहनलालगंज।** लखनऊ, निगोहां थाना क्षेत्र के शेखपुर दखिना में बीती रात बेखौफ अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए नकदी व कीमती जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ग्राम शेखपुर दखिना निवासी चंद्रकांत द्विवेदी पुत्र कृपा शंकर द्विवेदी ने बताया कि बीती रात अज्ञात चोर उनके घर के पीछे की ओर से छत के सहारे अंदर घुसे और अलमारी में रखे कीमती सामान की चोरी कर ले गए। सुबह जब परिवार के लोग जागे तो अलमारी खुली पाई गई और उसमें रखा सामान गायब था। इससे चोरी की घटना का पता चला।चोरी गए सामानों में बीस हजार रुपये नकद, एक सोने का हार, एक मंगलसूत्र, एक जोड़ी झुमकी, तीन जोड़ी पायल, दो सोने की अंगूठियां, दो सोने की जंजीरें, बीस चांदी के सिक्के और आठ सोने की कीलें शामिल हैं। पीड़ित द्वारा पुलिस को सूचना देने पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की।

इस संबंध में थाना निगोहां के प्रभारी निरीक्षक अनूज तिवारी ने बताया कि ÷हमें सुबह सूचना मिली कि ग्राम शेखपुर दखिना में चोरी की घटना हुई है। तत्काल पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। घटनास्थल का निरीक्षण कर फिंगरप्रिंट व अन्य साक्ष्य जुटाए गए हैं। अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। शीघ्र ही घटना का खुलासा कर चोरों को गिरफ्तार किया जाएगा। गांव व आस-पास के क्षेत्रों में रात्रि गश्त को और अधिक सघन किया जा रहा है।पीड़ित परिवार और ग्रामीणों ने क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है और पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने व चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है।

### चोरी की घटनाओं का पर्दाफाश कर शातिर चोर को गिरफ्तार कर पुलिस ने भेजा जेल

**बिसवां सीतापुर** कोतवाली पुलिस ने गत 20 अप्रैल को बिसवां कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गोपाल नगर मे एक बंद पड़े मकान में, करीब तीन माह पूर्व जनवरी माह में मोहल्ला शंकर गंज में रेलवे स्टेशन के पास बंद पड़े मकान में तथा दिसंबर माह में सांडा कस्बे में बीसी केंद्र में हुई चोरी की घटनाओ का पर्दाफाश कर घटना को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस ने उसके पास से साढ़े चौदह हजार नकदी एक हार, एक जोड़ी झाला, एक मंगलसूत्र, एक अंगूठी, एक नाक का फूल, तीन जोड़ी पायल, एक डीबीआर तथा एक 315 बोर का तमंचा दो जिंदा कारतूस बरामद करने में सफलता हासिल की। पुलिस उपाधीक्षक सतीश चंद्र शुक्ला ने पत्रकारों को बताया की 20 अप्रैल को बिसवां कस्बे के मोहल्ला मियागंज निवासी नसीम पुत्र अली शेर ने अपने साथियों के साथ 20 अप्रैल 2025 को गोपाल नगर बंद पड़े मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया था । इन्हीं चोरों ने अपने अन्य दो साथियों के साथ मिलकर मोहल्ला शंकर गंज में भी चोरी की घटना को अंजाम दिया था ।

## बंदरों का आतंक- मोहनलालगंज कस्बे में दहशत का माहौल, बुजुर्ग महिला पर हमला कर किया घायल

**● निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर सम्पन्न**

स्वतंत्र प्रभात



**मोहनलालगंज (लखनऊ)।** मोहनलालगंज कस्बे में बंदरों का आतंक दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। बीते कई महीनों से बंदरों के झुंड ने स्थानीय लोगों का जीना दुश्वार कर रखा है। आए दिन राह चलते लोगों पर हमले, घरों में घुसकर तोड़फोड़ और छतों से सामान उठाकर भागने की घटनाएं आम हो गई हैं। अब तक कई लोग बंदरों के हमलों में घायल हो चुके हैं। ताजा मामला शुक्रवार सुबह का है, जब कस्बा निवासी 96 वर्षीय रामकुमारी देवी पर बंदरों ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। रामकुमारी सुबह लगभग साढ़े पांच बजे पूजा के लिए पानी लेने समरसेबिल चला रही थीं, तभी दो बंदरों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। उन्होंने बुरी तरह काटकर उन्हें लहुलुहान कर दिया। परिजन उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले गए।

इससे पहले भी ऐसी ही घटना में पास ही रहने वाले अरुण चतुर्वेदी को बंदरों ने काटकर घायल कर दिया था। अरुण का कहना है कि बंदरों की वजह से अब लोग अपने घरों की छतों और आंगन तक में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे। बच्चों ने घर के बाहर खेलना बंद कर दिया है और लोग खुले में कपड़े सुखाने तक से कतरा रहे हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक बंदर घरों की छतों पर लगे पानी की टंकियों के ढक्कन तक तोड़ देते हैं और छतों या आंगन में रखा सामान उठाकर भाग जाते हैं। इससे रोजाना कोई न कोई नुकसान होता है। लोग अब खुद ही छतों और बालकनी में जालियां लगवाकर सुरक्षा के उपाय करने को मजबूर हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि नगर पंचायत और वन विभाग दोनों इस मुद्दे पर एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं। लोगों ने कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि बंदरों के इस आतंक को रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से उचित कदम उठाए जाएं, ताकि आमजन चैन की सांस ले सके।

## नगर के किसान की बेटी ने हाई स्कूल में प्रथम स्थान हासिल कर नाम रोशन किया

**● सीबीजी इंटर कॉलेज आफ साइंस की छात्रा का प्रधानाचार्य ने मुंह मीठा कराकर हौसला अफजाई किया**

स्वतंत्र प्रभात




**बेनीगंज/हरदोई-** हाई स्कूल इंटरमीडिएट का आज रिजल्ट घोषित होते ही जहां टॉप आने वाले छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गई वहीं फेल हुए छात्रों में मायूसी नजर आई। बेनीगंज गांधी इंटर कॉलेज हाई स्कूल की छात्रा प्रतिष्ठा श्रीवास्तव ने स्कूल में 90.66% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। और एक किसान की बेटी होने और अपनी मेहनत पर काम करने वाली छात्रा ने कहा कि मैं एक दिन जिले का ही नहीं बल्कि पूरे देश का नाम रोशन करेंगे। वहीं पिता आशीष चित्रांशी ने बेटी को प्रथम स्थान मिलने पर माला पहनाकर मुंह मीठा कराया और उज्जवल भविष्य की कामना की है। माता दीपशिखा अस्थाना ने बेटी की इस बड़ी सफलता पर हौसला अफजाई किया। सीबीजी इंटर कॉलेज आफ साइंस हाई स्कूल की छात्रा आस्था देवी ने 90.33% अंकों के साथ प्रथम दूसरे स्थान पर तन्मय तिवारी 87.33% अंक हासिल किया तीसरे स्थान पर निर्भय वर्मा 84.83त्नअंक हासिल किया। विद्यालय के ही कक्षा 12 की छात्रा नैंसी वैश्य ने 82.80त्न अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य गिरजेश तिवारी ने बच्चों की इस लगन मेहनत रिजल्ट परिणाम को लेकर उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं प्रेषित की और उनका मुंह मीठा करवाया। कोटपाल सिंह आदर्श कन्या इंटर कॉलेज अटिया मझिगवां प्रधानाचार्य शिव शंकर वैश्य ने बताया इस बार हाई स्कूल का परसेंटेज 93% रहा इंटरमीडिएट का 82% रहा। हाई स्कूल के छात्र अभिनव मिश्रा प्रथम स्थान पर रहे वहीं विद्यालय के ही इंटरमीडिएट के छात्र अरुण मौर्य प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए हमारी ओर से शुभकामनाएं।

## श्री जानकी प्रसाद इंटर कॉलेज कछौना पतसेनी के मेधावी छात्रों ने यूपी बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

स्वतंत्र प्रभात

**कछौना, हरदोई।** श्री जानकी प्रसाद इंटर कॉलेज कछौना की यूपी बोर्ड परीक्षा वर्ष 2025 के रिजल्ट में छात्र-छात्राओं ने परचम लहराया, मेधावी छात्रा कोमल गुप्ता ने इंटरमीडिएट का परीक्षा में जिला की टॉप टेन सूची में 93.40 प्रतिशत अंक अर्जित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। गुरुजनों विद्यालय परिवार व माता-पिता का मान बढ़ाया। कोमल गुप्ता कछौना कस्बा के मोहल्ला सदर बाजार की निवासिनी हैं। बरखा गुप्ता बेटी कंचन गुप्ता की सफलता में माता-पिता दोनों के अथक परिश्रम और मार्गदर्शन का बहुत योगदान रहा है। विद्यालय प्रबंधन शिक्षकों की कड़ी मेहनत से सफलता अर्जित की जिसमें मैथ शिक्षक आशुतोष कुमार का विशेष योगदान है कोमल गुप्ता भविष्य में इंजीनियर क्षेत्र में जाकर देश के आईआईटी में कंप्यूटर साइंस में योगदान के लिए नवाचार का देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचना है। श्री जानकी प्रसाद इंटर कॉलेज पतसेनी कछौना में हाईस्कूल में छात्र कृष्णा गुप्ता पुत्र राजेश गुप्ता ने 94.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान अर्जित किया। छात्रा आराध्या गुप्ता पुत्र अभिषेक गुप्ता ने 94.33% अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा नैंसी वर्मा पुत्री मुकेश कुमार ने 90.83 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा सोनल गुप्ता पुत्री राकेश ने 90.50 प्रतिशत अंक अर्जित कर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में छात्रा कोमल गुप्ता पुत्री कंचन गुप्ता ने 93.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया। छात्र अभय गुप्ता पुत्र जगदीश गुप्ता ने 87.00 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्र जान्हवी आजाद पुत्री



राम शंकर आजाद ने 86.40 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा वैष्णवी भारतीय पुत्री अमरनाथ ने 84.80त्न अंक अर्जित कर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। सभी उत्तीर्ण छात्राओं को विद्यालय प्रबंधन डॉक्टर शिवराज सिंह पटेल ने बधाई दी। उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। परीक्षा परिणाम से छात्राओं में काफी उत्साह है।

### जिलाधिकारी ने की भूसा दान के सम्बन्ध में बैठक



**हरदोई** कलेक्ट्रेट कक्ष में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने वर्चुअल माध्यम से उप जिलाधिकारियों व खण्ड विकास अधिकारियों के साथ भूसा दान के सम्बन्ध में बैठक की। जिलाधिकारी ने कहा कि भूसा दान के लिए किसानों को प्रेरित व प्रोत्साहित किया जाये। किसानों से इस सम्बन्ध में संवाद किया जाये। गोशाला का चिंहीकरण भूसादान करने वाले किसानों से कराया जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा चिकित्सा अधिकारी अशोक कुमार सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## बसंत कांति इंटर कॉलेज, कोटवाधाम, बाराबंकी के छात्र आयुष ने हाई स्कूल परीक्षा में 83% अंक हासिल कर रच दिया कीर्तिमान

स्वतंत्र प्रभात



**बाराबंकी** (उत्तर प्रदेश), 25 अप्रैल 2025- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UPMSP) द्वारा आज जारी किए गए हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में बसंत कांत इंटर कॉलेज, कोटवाधाम के छात्र आयुष ने 83त्न अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया है। इस साल हाई स्कूल परीक्षा में प्रदेश भर का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 90.11% रहा, जिसमें लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर रहा। वहीं, आयुष ने अपने कठिन परिश्रम और लगन से इस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती।

विद्यालय के प्रधानाचार्य व शिक्षकों ने आयुष की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि वह अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है। आयुष ने कहा, "मैं अपने माता-पिता, शिक्षकों और दोस्तों का धन्यवाद करता हूँ जिनके सहयोग से मैंने यह उपलब्धि प्राप्त की। आगे चलकर मैं इंजीनियर बनने की आकांक्षा रखता हूँ।" आयुष की इस सफलता पर स्कूल परिसर में खुशी का माहौल है। शिक्षकगण, सहपाठी और परिवारजन उसे बधाइयाँ दे रहे हैं।ह्य

## रावल अदेसर में जंगली जानवर के पग चिन्हों की जांच व कांबिंग करते उप प्रभागीय वन अधिकारी विकास यादव व लहरपुर रेंजर अभिषेक सिंह

स्वतंत्र प्रभात



**लहरपुर सीतापुर-** कोतवाली क्षेत्र के रावल अदेसर गांव में बीते कई दिनों से जंगली जानवर तेंदुए अथवा बाघ की होने की आशंकाएं जताई जा रही थी । इससे पूर्व में कई पशुओं पर अज्ञात जानवर के द्वारा हमला भी किया गया था। इसके बाद से ही हरकत में आई वन विभाग की टीम ने लगातार कांबिंग करते हुए आसपास के क्षेत्र में अज्ञात जानवर की तलाश शुरू की पिछले 20 दिनों से वन विभाग के द्वारा क्षेत्र में पिंजरा लगाया गया और कैमरा भी लगवाया गया लेकिन जानवर अब तक वन विभाग की टीम से कोसों दूर है जिसके चलते क्षेत्रीय ग्रामीणों में भय का माहौल है कि इसी बीच उसी गांव के निवासी प्रकाश पुत्र शिवदयाल उम्र 32 वर्ष बुधवार की सुबह करीब 09ः00 बजे खेत पर अपने परिवारजनों के साथ गेहूं काट रहा था तभी अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया जिसमें सिर में गंभीर चोट आई मौके पर उपस्थित लोगों के द्वारा किसी तरह से बचाया गया। घायल अवस्था में प्रकाश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लहरपुर ले जाया गया जहां से डॉक्टरो द्वारा घायल की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल सीतापुर रेफर कर दिया । घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम के द्वारा घायल किसान प्रकाश से मिलने रेंजर अभिषेक सिंह व उनकी टीम अस्पताल पहुंची तथा उनके परिजनों से मिलकर के हर संभव सहयोग करने का आश्वासन भी दिया गया। किसके साथी बाघ को पकड़ने के लिए एक और पिंजरा लगाने की तैयारी की जा रही है इसके साथ ही घटना स्थल के आसपास कैमरा भी लगाया गया है।

घटना की सूचना मिलने पर शुक्रवार को उप प्रभागीय वन अधिकारी विकास यादव भी रेंजर अभिषेक सिंह डिप्टी रेंजर हरीश श्रीवास्तव व उनकी पूरी टीम के साथ ग्राम रावल अदेसर में पहुंचकर अन्य दूसरा पिंजरा व कैमरा लगाने के बाद चिलचिलाती धूप में कांबिंग करते नजर आए।

इस घटना के संबंध में क्षेत्रीय वन अधिकारी अभिषेक सिंह ने बताया कि 20 दिन से पिंजरा क्षेत्र में लगाया गया है पग चिन्हों के आधार पर बाघ के होने की संभावनाएं जताई जा रही है आज दूसरे पिंजड़े के साथ-साथ कैमरा भी लगाया गया है कई बार पिंजरे के आसपास तक बाघ आया लेकिन अब तक पकड़ा नहीं जा सका । उन्होंने क्षेत्रीय ग्रामीण व किसानों के बीच जाकर के वन्य जीवो से सुरक्षित रहने व उनसे आकस्मिक हमले से निपटने के संबंध में सूचना पत्रक भी वितरित किया इसके साथ लोगों को जागरुक करते हुए लाठी डंडों व धारदार हथियारों सहित समूहबद्ध रहकर अपने खेती किसानी के कार्यों को निपटने की बात भी कही इसी के साथ वन विभाग द्वारा सघन कांबिंग और बाघ के पकड़ने का प्रयास निरंतर जारी है वन विभाग की एक टीम मौके पर मुस्तैदी के साथ लगी हुई है।

### पहलगाम शहीदों की याद में निकाला कैंडल मार्च,दी श्रद्धांजलि

**बिसवां (सीतापुर)।** विगत दिनों पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के विरोध में बिसवां तहसील के सदरपुर थाना अंतर्गत जहांगीराबाद कस्बे में देर शाम सैकड़ों की संख्या में जहांगीराबाद सहित आसपास के गांवों के नागरिकों, शिव कमेटी जहांगीराबाद के पदाधिकारियों और सदस्यों सहित विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष व हिन्दू शेर सेना आदि अन्य हिन्दू सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने मोमबत्तियां जलाकर हाथों में श्लोगन लिखी तख्तियां लेकर पाकिस्तान मुर्दाबाद....पाकिस्तान होश में आओ... आतंकवाद मुर्दाबाद... पाकिस्तान पर हमला करो.... व पाकिस्तान हाय हाय...आदि नारे लगाते हुए कैंडल मार्च निकाला जो कस्बे का भ्रमण करते हुए चौराहे पर स्थित शिव मंदिर के सामने पहुंचे जहां सभी शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि, पुष्पांजलि देकर मृतात्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस मौके पर सदरपुर पुलिस के अलावा भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।यह आयोजन शिव कमेटी की ओर से सम्पन्न हुआ।

## नशे में धुत दबंगों सगे भाइयों ने घर में घुसकर मारपीट, कुल्हाड़ी से किया घायल...

स्वतंत्र प्रभात



**मोहनलालगंज।** लखनऊ, मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के माधवखेड़ा गांव में दो दबंग भाइयों ने पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति के घर में घुसकर धार दार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित ओमप्रकाश पुत्र स्वर्गीय सिंह नारायण ने थाने में तहरीर देकर बताया कि बीते मंगलवार की रात्रि करीब 10 बजे मनोज व रवि पुत्रगण रमेश, जो कि आपस में सगे भाई हैं, नशे की हालत में कुल्हाड़ी और फरसा लेकर उसके घर में घुस आए और उस पर जानलेवा हमला कर दिया।पीड़ित के अनुसार, दो दिन पहले भी दोनों आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी, जिसे गांव वालों ने मामले को शांत करा दिया था। लेकिन बीते 23 अप्रैल को रात्रि को दोनों फिर से आक्रामक हो गए और हमला कर दिया। मारपीट के दौरान आरोपियों ने पूरे घर को श्मशान बना देने और सबको काट डालने की धमकी दी। वही घायल अवस्था में पड़े ओमप्रकाश को मरा समझकर दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से पीड़ित को उपचार के लिए भेजा गया। पीड़ित ने पुलिस से मामले में तत्काल कार्रवाई कर न्याय दिलाने की मांग की है। वही कोतवाली में तैनात दरोगा आनंद राय अंबेडकर ने पीड़ित को उल्टे ही डरा धमका कर मामले को हल्का करने के लिए तहरीर बदलने का दबाव बनाया फिर पीड़ित से अपने सामने तहरीर बदलवा कर आश्वासन दिया कि अब मुकदमा दर्ज कर।दिया जाएगा। वही इंस्पेक्टर डीके सिंह ने बताया कि जांच कर मामला दर्ज किया जाएगा।

## राष्ट्रीय ध्वज का अपमान- कोतवाली से चंद कदमों की दूरी पर शहीद स्मारक परिसर पर लहरा रहा फटा तिरंगा

**● प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी के चलते शहीद स्मारक परिसर पर लंबे समय से बना हुआ है यह दृश्य**

स्वतंत्र प्रभात



**लालगंज (रायबरेली)।** सरेनी कस्बे में स्थित शहीद स्मारक परिसर पर इन दिनों एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक दृश्य देखने को मिल रहा है। सरेनी कोतवाली से महज चंद कदमों की दूरी पर स्थित शहीद स्मारक परिसर में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फटा हुआ लहरा रहा है,जो कि न सिर्फ संविधान की भावना का उल्लंघन है,बल्कि देश के वीर शहीदों का भी अपमान है जिनकी स्मृति में यह स्मारक बनाया गया है।गौरतलब है कि राष्ट्रीय ध्वज से संबंधित नियम 'फ्लैग कोड ऑफ इंडिया' के तहत किसी भी सार्वजनिक स्थान पर फटा या मैला तिरंगा लहराना गैरकानूनी है।इसके बावजूद जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी के चलते शहीद स्मारक परिसर पर यह दृश्य लंबे समय से बना हुआ है।स्थानीय नागरिकों में इसको लेकर भारी रोष है।लोगों का कहना है कि जहां एक ओर सरकार "हर घर तिरंगा" जैसे अभियानों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति का संदेश देती है,वहीं दूसरी ओर शहीदों की याद में बने स्मारकों पर तिरंगे के इस तरह के अपमान की अनदेखी करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि इस मामले का संज्ञान लेकर फटे हुए तिरंगे को तुरंत हटाकर उसकी जगह नया, सम्मानजनक तिरंगा लगाया जाए।साथ ही, शहीद स्मारकों की उचित देखभाल सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।यह मामला सिर्फ एक ध्वज का नहीं,बल्कि देश की आत्मा और गौरव से जुड़ा हुआ है।प्रशासन को चाहिए कि वह शीघ्र कार्रवाई कर जनता की भावनाओं का सम्मान करे।

## पुलिस मुठभेड़ में तीन शातिर लुटेरे गिरफ्तार, एक बदमाश के पैर में लगी गोली

**गिरफ्तार बदमाश सराफा दुकानदार हरिओम सोनी को गोली मारकर जेवरात से भरा झोला लूट कर भागे थे**

**2 फरवरी को व्यापारी नेता प्रतीक शर्मा की रीता के गले की चेन लेकर भागे थे बदमाश।**

स्वतंत्र प्रभात



**लालगंज (रायबरेली)।** कोतवाली क्षेत्र के बांदा-बहराइच मार्ग पर अंबारा पश्चिम मोड़ के पास बृहस्पतिवार की देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें पुलिस टीम ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास अवैध तमंचे व लूट का माल बरामद किया है। पकड़े गए तीनों बदमाश शातिर लुटेरे हैं। अन्य बदमाशों ने गत वर्ष 2 सितंबर को हरिओम सोनी को गोली मारकर जेवरातों से भरा झोला छीन कर भागे थे। वहीं गत 2 फरवरी को जीवनदीप टॉकीज के निकट कस्बा निवासिनी रीता शर्मा के गले की चेन झपट्टा मारकर भाग गए थे।

पुलिस चेकिंग के दौरान एसओजी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने तीन संदिग्ध बाइक सवारों को घेर लिया। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश आदित्य वर्मा निवासी जूही थाना, मिलिट्री कैंप, कानपुर के बाएं पैर में गोली लग गई। घायल आदित्य के साथ दो और बदमाश दीपक कश्यप उर्फ राजेश उर्फ मोनू व अंकित उर्फ पवन पुत्र किशोरी लाल निवासी रतनपुर कॉलोनी, थाना पनकी कानपुर नगर को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के पास से 20.9 ग्राम पीली धातु 245 ग्राम सफेद धातु, एक चेन, कान के जेवर व दो 315 बोर के तमंचे, एक खाली कारतूस, तीन जिंदा कारतूस बरामद हुआ। घटना में घायल बदमाश को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य इकट्ठा किए। पुलिस की पूछताछ में तीनों बदमाशों ने कस्बा और आसपास के इलाकों में लूट व स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देने की बात कबूली है। पुलिस अधीक्षक डॉ जसबीर सिंह ने बताया कि तीनों आरोपी शातिर बदमाश हैं। इनका गैंग लूट छिनैती, डकैती को अंजाम देता था। यह बदमाश मुख्य रूप से सुनारों और महिलाओं को टारगेट करते थे।

## संक्षिप्त खबरें

### नदी में नहाने गए तीन युवकों में एक की मौत, दो की तलाश

**सिद्धार्थनगर।** जोगिया कोतवाली क्षेत्र के बूढ़ी राप्ती नदी में नहाने गए तीन लोगों डूब गए। मिली जानकारी के अनुसार जमाल (18) पुत्र रसीद निवासी कान्हे कुसुम थाना कोतवाली जोगिया जिला सिद्धार्थनगर व साहेब (19) पुत्र कुर्बान अली तथा सद्दाम (35) पुत्र नथु निवासी बरगदवा थाना रामनगर जिला बेतिया बिहार के निवासी है। शुक्रवार की दोपहर तीनों जोगिया कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम खेतवाल के पास स्थित बूढ़ी राप्ती नदी में नहाने गए हुए थे नहाते समय नदी के गहरे पानी में चल गए जिससे तीनों डूब गए। इसमें सद्दाम( 35) पुत्र नथु का शव मिला है। ग्राम बरगदवा थाना रामनगर प्रदेश बिहार का निवासी है। जबकि दो युवकों की तलाश जारी है। इस संबध में प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार मिश्रा का कहना है कि नदी में नहाने गए तीन युवकों में से एक का शव बरामद हो हुआ है और दो की तलाश जारी है।

### किराना की दुकान में शार्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

**सिद्धार्थनगर।** डुमरियागंज थाना क्षेत्र के सोनहटी चौराहे पर शार्ट सर्किट से आग लगने से किराने की दुकान में रखा लगभग लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के सोनहटी चौराहे पर स्थित रवि गुप्ता के किराने की दुकान में शुक्रवार को दिन में लगभग 2 बजे मकान के दूसरे मंजिल पर रखे सामान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग इतनी तेज लगी की पूरा दुकान मे रखा हुआ सामान धू धू कर जलने लगा। आग की लपटों को देखकर लोग इकट्ठा हो गए और आग बुझाने की कोशिश करने लगे। किसी ने फायर ब्रिगेड को सूचना दे दी आनन-फानन में फायर ब्रिगेड की गाड़ी आ गई। फायर ब्रिगेड और ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया लेकिन तब तक दुकान में रखा लगभग लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। दुकान मालिक रवि गुप्ता ने बताया कि किरना के समान के अलावा दोना पत्तल का होलसेल का व्यापार है। इस अग्निकांड में लगभग 16 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया है। इस संबंध में उप जिलाधिकारी डुमरियागंज डॉक्टर संजीव दीक्षित ने बताया कि जानकारी होने पर मौके पर गए थे सामान का आकलन कर लिया गया है जो भी होगा हर संभव मदद किया जाएगा।

### शॉर्ट सर्किट से मंडी समिति में लगी भीषण आग, आठ दुकानें जलकर राख

**पिकअप व बाइक भी जली, लाखों रुपए का नुकसान**

**लालगंज (रायबरेली)।** कस्बे के मंडी समिति परिसर में बृहस्पतिवार की देर रात को शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। जिससे आठ दुकानों में रखा सामान व बारदाना जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।देर रात मंडी परिसर स्थित चांद बाबू की आढ़त में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धर लिया और आसपास की अन्य दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया।आग बुझाने पहुंचे लोगों ने घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों ने स्थानीय लोगों की मदत से आग बुझाना शुरू किया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक मंडी के इरशाद, चांद मोहम्मद, सुरेश सोनकर, मो. रिजवान, मो. सुबराती, अनिल सोनकर, रहमत अली व रामबाबू सोनकर की आठ दुकानें जलकर राख हो गई। आग की चपेट में आकर वहां खड़ी एक पिकअप व बाइक भी जल गई। अग्निकांड में प्रभावित व्यापारियों का कहना है कि यदि दमकल और पुलिस समय पर पहुंचती तो इतने बड़े नुकसान से बचा जा सकता था। पुलिस कर्मियों की मौके पर अनुपस्थिति को लेकर भी व्यापारियों में भारी नाराजगी देखी गई। उन्होंने पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर अपना आक्रोश जताया। पीड़ितों के मुताबिक अग्निकांड में लाखों रुपये मूल्य का सामान जलकर नष्ट हो गया। मौके पर पहुंचे एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी व सीओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि आग लगने से आठ दुकानों का सामान जला है। नुकसान का आकलन कराया जा रहा है।

# पाकिस्तान रेंजर्स की हिरासत में BSF जवान, 'मेरे बेटे को घर ले आइए...', तड़प रहे माता-पिता की गुहार

**सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पूर्णम साहू के पाकिस्तान रेंजर्स की हिरासत में होने की खबर आने के बाद से उनके (साहू के) पश्चिम बंगाल के रिसड़ा की संकरी गलियों में स्थित घर पर एक अजीब सी शांति पसरी है।**



स्वतंत्र प्रभात

एक तरफ देश में पहलगाम हमले को लेकर आक्रोश फैला हुआ है। पूरा देश आतंकियों का सिर कमल होते देखना चाहता हैं। ऐसे में दूसरी तरफ सरकार ने पाकिस्तान से हर तरह की बातचीत को खत्म कर दिया है और शिमता समझोते सहित कई समझौते को रद्द कर दिया है। दोनों देशों के बीच काफी ज्यादा टेंशन हो रही हैं। माहौल ऐसा बना हुआ है कि कभी भी तनाव और ज्यादा बढ़ सकता है। इस तरह के महौल के बीच पंजाब के बॉर्डर पर एक दुर्घटना घट जाती है। भारतीय सुरक्षा बल का जवान गलती से सीमा पार जाता है और उसे पाकिस्तानी रेंजर्स पकड़ लेते हैं।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पूर्णम साहू के पाकिस्तान रेंजर्स की हिरासत में होने की खबर आने के बाद से उनके (साहू के) पश्चिम बंगाल के रिसड़ा की संकरी गलियों में स्थित घर पर एक अजीब सी शांति पसरी है। परिवार के लोगों की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं और वे ईश्वर से अपने बेटे के लौटने की दुआ कर रहे हैं। व्याकुल परिवार को बस यही आस है कि उनके घर का चिराग वापस आ जाए।

जवान के पिता भोलानाथ साहू ने कहा, ''मेरा बेटा देश की सेवा कर रहा था और अब हमें यह भी नहीं पता कि वह सुरक्षित है या नहीं। हमने सुना है कि वह पाकिस्तान की हिरासत में है।'' पड़ोसी साहू के पास आकर उन्हें सांत्वना देते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बस यह जानना चाहता हूं कि मेरा बेटा कहां है। क्या वह सुरक्षित है? क्या वह ठीक है?'' पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर में बीएसएफ की 182वीं बटालियन में तैनात पूर्णम साहू वर्दी में थे और उनके पास उनका सर्विस राइफल भी था।

बुधवार को वह कथित तौर पर अनजाने में सीमा पार कर गए थे। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार, घटना उस वक्त हुई जब साहू सीमा के पास किसानों के एक समूह की रक्षा के लिए उनके साथ थे। वह एक पेड़ के नीचे आराम करने के लिए चले गए और अनजाने में पाकिस्तानी क्षेत्र में प्रवेश कर गए। उन्हें तुरंत पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार रात को पुष्टि की कि साहू की रिहाई को लेकर बातचीत करने के लिए भारतीय और पाकिस्तानी सीमा बलों ने 'फ्लैग मीटिंग' की, लेकिन परिवार को इस बारे में कोई और जानकारी नहीं मिली।

भोलानाथ ने थरथराती आवाज में कहा, ''मेरा बेटा तीन हफ्ते पहले ही छुट्टी से लौटा था।'' उन्होंने कहा, ''अब वह फिर से चला गया है और हमें नहीं पता कि आगे क्या होगा, वह कब घर वापस आएगा।'' अपने दो कमरों वाले संकरे घर में पूर्णम की पत्नी रजनी खबर मिलने के बाद से मुश्किल से ही बात कर पा रही हैं। उन्होंने दबे स्वर में कहा, ''उन्होंने मुझे मंगलवार रात को फोन किया था।'' रजनी ने कहा, ''वह आखिरी बार था जब मैंने उनकी आवाज सुनी थी।''

दंपति के सात वर्षीय बेटे को घर के भीतर ही रखा जा रहा है, उसे स्थिति की गंभीरता के बारे में पता नहीं है। रजनी ने रोते हुए पूछा, ''मैं उस बच्चे को ये कैसे समझाऊं?'' उन्होंने कहा, ''वह लगातार पूछता रहता है कि उसके पिता कब वापस आएंगे।'' परिवार को इस घटना के बारे में अधिकारियों से नहीं, बल्कि पूर्णम के एक सहकर्मी से पता चला। रजनी ने कहा, ''बुधवार रात आठ बजे उनके एक दोस्त ने फोन किया और जो भी हुआ उसके बारे में हमें बताया।'' उन्होंने कहा, ''तब से, हम सो नहीं पाए हैं। हम बस उन्हें वापस चाहते हैं।''

भोलानाथ ने उस दिन अपने बेटे को फोन करने की कोशिश को याद किया। उन्होंने कहा, ''फोन करने पर कोई जवाब नहीं मिला। मुझे लगा कि शायद वह व्यस्त होगा। लेकिन बाद में उसके दोस्त ने हमें बताया कि वह अच्छा महसूस नहीं कर रहा था और एक पेड़ के नीचे आराम कर रहा था। तभी उन्होंने (पाकिस्तान रेंजर्स) उसे पकड़ लिया।'' यह घटना ऐसे समय में हुई जब पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव पहले से ही बढ़ा हुआ है, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

साहू को पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा पकड़ने की घटना पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले के ठीक एक दिन बाद हुई है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की आकस्मिक सीमा पार करने की घटना असामान्य नहीं है और आमतौर पर कूटनीतिक माध्यमों से इन्हें हल कर लिया जाता है। हालांकि, परिवार अनहोनी की आशंका को लेकर डरा हुआ है। रजनी ने कहा, ''हमारी सरकार से बस एक ही विनती है। उन्हें घर ले आइए। चाहे जो भी करना पड़े - बस उन्हें घर ले आइए।

## शोहरतगढ़ विधान सभा क्षेत्र के 4 सड़कों की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति गठित, जांच से पहले काम शुरू



स्वतंत्र प्रभात

**सिद्धार्थनगर।** अपना(दल)एस के शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा की शिकायत पर विधान सभा क्षेत्र की चार सड़कों की जांच के लिए पीडब्ल्यूडी लखनऊ के प्रमुख अभियंता ने दो सदस्यीय जांच समिति गठन? करने की सूचना दिया है।इसकी जानकारी मिलते ही एक सड़क के निर्माण करने की शिकायत भी विधायक ने किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग के जिम्मेदार व ठेकेदार सड़क निर्माण में गड़बड़ी छिपाने के लिए जाँच के पहले काम शुरू करा दिया है। पीडब्ल्यूडी के परिकल्प/नियोजन कार्यालय लखनऊ के प्रमुख अभियंता एके द्विवेदी ने पत्र जारी कर बताया कि शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में निर्माणाधीन चेतिया से बैजनाथ मार्ग (विशेष मरम्मत),इंडी-नेपाल बॉर्डर मार्ग से पिपरहवा मार्ग (नव निर्माण),नवडिहवा संपर्क मार्ग (विशेष मरम्मत) व डी. डी. रोड से संसरी संपर्क मार्ग (विशेष मरम्मत) कार्य की जांच के पीडब्ल्यूडी लखनऊ के प्रमुख अभियंता कार्यालय से सम्बद्ध मुख्य अभियंता कमला शंकर व अधिशाषी अभियंता प्रमोद कुमार को नामित किया गया है। समिति को 26 व 27 अप्रैल को उक्त मार्गो का निरीक्षण कर अपनी आख्या देने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद क्षेत्रीय विधायक विनय वर्मा ने बताया कि जैसे उक्त मार्गो के निरीक्षण के लिए जांच टीम की घोषणा ही हुई है, उसके तुरंत बाद शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में निर्माणाधीन चेतिया से बैजनाथ मार्ग (विशेष मरम्मत) पर विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से ठेकेदार मशीन लेकर मरम्मत के लिए पहुंच गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों ने दुर्भाग्यवश जाँच समिति की जानकारी ठेकेदारों तक पहुँचा दिया। जांच समिति के सदस्यों के आने से पहले ही ठेकेदार ने अधिकारियों के साथ मिलकर यहां काम शुरू करवा दिया। इससे ठेकेदार और अधिकारियों की बड़ी मिलीभगत साफ़ जाहिर हो गई है। विधायक ने इस धांधली की जांच व शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग किया है।

## जीएलए विधि संकाय के छात्र रौनक उपमन्यु ने किया देशभर में ब्रज का नाम रोशन

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता एवं विधि संकाय के डीन प्रो. सोमेश धमीजा तथा विधि छात्र रौनक उपमन्यु जीती हुई ट्रॉफियों के साथ।

स्वतंत्र प्रभात

**मथुरा-** जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के विधि छात्र रौनक उपमन्यु ने देश भर के आईआईटी, विश्वविद्यालयो एवं आईआईएम संस्थानों में 222 फर्स्ट प्राइज शील्ड ट्राफी एवं प्रमाण पत्र जीत कर के देशभर में पहले छात्र डिबेटर बनने का इतिहास रच दिया है। इसके लिए आज विधि छात्र रौनक उपमन्यु को जीएलए संस्थान के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता एवं विधि संस्थान के डीन प्रो. सोमेश धमीजा ने उनको सम्मानित किया।

इस साल रौनक़ ने आईआईटी दिल्ली में प्रथम पुरुस्कार जीता, इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा आयोजित युवा संसद जीती। जिसमें, उन्हें भूपेश बघेल, रणदीप सुरजेवाला और राजीव शुक्ला द्वारा सम्मानित किया गया। पिछले 25 दिन में रौनक ने 8 प्रथम पुरुस्कार जीते। जिसमें, आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, देहरादून प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज और हिन्दू कॉलेज। जिसमें उन्हें अनुराग ठाकुर द्वारा सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता एवं डीन प्रो. सोमेश धमीजा ने विधि छात्र रौनक उपमन्यु की प्रतिभा की तारीफ करते हुए कहा कि देश भर के आईआईटी-आईआईएम एवं विश्वविद्यालय में रौनक उपमन्यु ने नेशनल डिबेटों में भाग लेकर 222 फस्ट पुरस्कार जीते हैं, जो एक गौरव की बात है। देश भर में इतने प्रथम प्राइज किसी छात्र ने युवा संसद डिबेटों में नहीं जीते है। रौनक ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष एनयूजेआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट के पुत्र हैं।

## कांग्रेस ने इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा जैसे नारे दिए: मौर्य

**● कांग्रेस, सपा पर हमलावर रहे उप मुख्यमंत्री बसपा को पूरी तरह बख्सा**

स्वतंत्र प्रभात

**मथुरा।** संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर बृज कला केन्द्र ऑडिटोरियम, मसानी तिराहा, मथुरा स्थित चमेली देवी स्कूल के सामने भाजपा महानगर द्वारा भव्य सम्मान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष हरीशंकर यादव ने की, जबकि संयोजन पर्व महापौर डॉ. मुकेश आर्य बंधु द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब अंबेडकर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित कर किया गया। गोष्ठी में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी समेत अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का गला घोंटा और इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा जैसे नारे दिए। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए संविधान में 70 बार संशोधन किए, जबकि भाजपा ने केवल 8 बार संशोधन किए हैं, वह भी गरीबों, महिलाओं और वंचित वर्गों के अधिकार सुनिश्चित करने के लिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और सपा की नीतियाँ हमेशा दलित विरोधी रही हैं। कांग्रेस चाहती थी कि केवल चार आने कर देने वाला, मैट्रिक पास, बुलेट मोटरसाइकिल और डबल बैरल बंदूक रखने वाला ही चुनाव लड़ सके और वोट डाल सके, लेकिन बाबा साहब ने ऐसी सोच का पुरजोर विरोध किया और हर नागरिक को समान मताधिकार दिलाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ही सच्चे अर्थों में बाबा साहब के विचारों को आगे बढ़ा रही है।

प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने सामाजिक न्याय की जो मशाल जलाई थी, उसे आज भाजपा ने सच्चे अर्थों में आगे बढ़ाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक ठोस कदम उठाए हैं। विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि आज अनपढ़, महिला, बुजुर्ग और युवा को वोट देने का अधिकार है तो वह बाबा साहब की देन है। वहीं उन्होंने समाजवादी पार्टी पर सरकारी नौकरी में पदोन्नति में आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाया। गोष्ठी के अंत में भाजपा महानगर अध्यक्ष हरीशंकर श्राजूश् यादव ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है, जहां एक सामान्य कार्यकर्ता भी शीर्ष पद तक पहुंच सकता है। उन्होंने द्रौपदी मुर्मू का उदाहरण देते हुए कहा कि एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाना भाजपा की सोच को दर्शाता है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, एमएलसी ओम प्रकाश सिंह, पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, विधायक मेघश्याम ठाकुर, राज्य बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, पूर्व महानगर अध्यक्ष चेतन स्वरूप पाराशर संजय शर्मा रामकिशन पाठक हरिओम शर्मा अंकुर अग्रवाल प्रमोद बंसल ज्ञानेंद्र राणा मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा दीपक गोला नितिन चतुर्वेदी बादल शर्मा लोकेश तायल सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

गोष्ठी में बोलते हुए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौय।

## रोनित ने 10 वीं यूपी बोर्ड में प्राप्त किया जनपद में प्रथम स्थान

स्वतंत्र प्रभात

**मथुरा** रोनित ने हाई स्कूल रिजल्ट 2025 में जिला टॉप ,10 की लिस्ट में अपना नाम अंकित करा रचा इतिहास, 600 में से 547 अंक हासिल मथुरा, 25 अप्रैल 2025- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (UPMSP) द्वारा आज घोषित यूपी बोर्ड 10वीं कक्षा के परिणामों मेंच्ष्टत्स्ड्डरूविद्यालय मथुरा जिले के होनहार छात्र रोनित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिला टॉप,10 की लिस्ट में अपना नाम अंकित करा रचा इतिहास। रोनित ने 600 अंकों में से 547 अंक हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है।यूपी बोर्ड 10वीं की परीक्षाएं 24 फरवरी से 12 मार्च 2025 तक आयोजित की गई थीं, जिसमें लाखों छात्रों ने हिस्सा लिया। रोनित की इस उपलब्धि ने मथुरा के शैक्षिक परिदृश्य में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनकी इस सफलता को लेकर स्कूल, शिक्षकों कक्षा अध्यापक सीताराम जी, सुरेश जी, महेश जी ,लोकेश जी,राकेश जी, मीणा जी, हर्वेश जी, रविंद्र जी, अमित जी, और सहपाठियों में खुशी की लहर है।कठिन परिश्रम और लगन का परिणाम

रोनित ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और नियमित अध्ययन को दिया। उन्होंने बताया,"मैं रोजाना 6-7 घंटे पढ़ाई करता था और अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन को सख्ती से फॉलो करता था। मेरा लक्ष्य हमेशा से अच्छे अंक लाना और अपने जिले का नाम ऊंचा करना था।÷ रोनित ने खासतौर पर अपने स्कूल के शिक्षकों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें हर कदम पर प्रोत्साहित किया।परिवार और स्कूल में उत्साह का माहौल रोनित के माता-पिता ने इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए कहा, "हमारा बेटा शुरू से ही मेहनती और अनुशासित रहा है। उसकी इस सफलता ने हमें गौरवान्वित किया है।" रोनित के स्कूल के प्रिंसिपल विनय कुमार ने भी उनकी तारीफ करते हुए कहा, "रोनित एक मेधावी छात्र है, जिसने अपनी लगन और मेहनत से यह मुकाम हासिल किया। वह अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा है।" मथुरा के लिए गर्व का पल मथुरा जिले के शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भी रोनित की उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा, "रोनित ने मथुरा का मान बढ़ाया है।

उनकी यह सफलता जिले के अन्य छात्रों को प्रेरित करेगी।" रोनित की इस उपलब्धि ने मथुरा के उन स्कूलों को भी सुर्खियों में ला दिया, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए जाने जाते हैं। रोनित की इस शानदार उपलब्धि ने न केवल मथुरा, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में अन्य छात्रों के लिए एक मिसाल कायम की है। उनकी मेहनत और समर्पण की कहानी हर उस छात्र के लिए प्रेरणादायक है, जो बड़े सपने देखता है। वही रोनित ने बताया कि मेरा लक्ष्य उद्देश्य यूपीएससी है इसीलिए कठिन परिश्रम कर ही उपलब्धि प्राप्त की जा सकती है।

## जनपद में 60 से अधिक उम्र के 57362 नागरिकों ने मांगी वृद्ध पैंशन

**● वृद्धावस्था पेंशन का सत्यापन प्रारंभ अपात्रों को नहीं मिलेगा लाभ**

**जीवित को मृतक दर्शाने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी कर्मचारी पर होगी कड़ी कार्यवाही**

**मथुरा।** वृद्धावस्था पेंशन में मृतक एवं अपात्र पेंशनरों को सूची से बाहर कर उनके स्थान पर नए पात्र लाभार्थियों को पेंशन का लाभ दिए जाने के लिए अभियान संचालित किया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि बुजुर्गो को बेहतर जीवन देने के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना चलाई जा रही है। वास्तविक और पात्र लाभार्थियों तक ही योजना का लाभ पहुंच सके, इसके लिए नए वित्तीय वर्ष 2025-26 में पेंशन भुगतान के लिए सूची में शामिल लाभार्थियों के सत्यापन का कार्य शुरू कर दिया गया है। मुख्य सचिव के शासनादेश के द्वारा सभी कमिश्नर और डीएम को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिसके अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन के जिला मथुरा के 57362 पेंशनरों का सत्यापन 15 मई तक किया जाएगा। मृतक एवं अपात्र पाए गए पेंशनरों को सूची से हटाकर उनकी जगह नए पात्र लाभार्थियों को लाभांवित किया जाएगा। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने पात्रता की जानकारी देते हुए बताया कि विभाग की ओर से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के गरीबी रेखा से नीचे आय के अंतर्गत जीवन यापन करने वाले वृद्धजनों को प्रतिमाह 1000 रुपये की पेंशन डीबीटी के माध्यम से हर 3 माह में प्रदान की जाती है। इसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश का निवासी होना जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्र के आवेदक की वार्षिक आय 46080 रुपये और शहरी क्षेत्र में वार्षिक आय 56460 रुपये से कम होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र में बीडीओ के माध्यम से और शहरी क्षेत्र में उपजिलाधिकारी के माध्यम से सत्यापन कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा गलत सत्यापन पर दंडात्मक कार्रवाही का भी प्राविधान किया गया है। निदेशक समाज कल्याण विभाग द्वारा सभी उप निदेशक एवं समाज कल्याण अधिकारियों को 10 प्रतिशत पेंशनरों का क्रॉस वेरिफिकेशन करते हुए सत्यापन की गुणवत्ता का परीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके आधार पर जीवित पेंशनर्स को मृतक दर्शाए जाने वाले सत्यापनकर्ता अधिकारी और कर्मचारी के विरूद्ध जिलाधिकारी द्वारा दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विभागीय अधिकारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सत्यापन समयबद्ध और गुणवत्तापरक हो। उन्होंने बताया कि जीरो पावर्टी अभियान के अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा चिन्हित किए गए वृद्ध जानो को जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, जिसमें जिले के 773 वृद्धजन चिन्हित किये गये हैं। इन परिवारों को समाज की मुख्य की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए समाज कल्याण विभाग ने कार्यवाही शुरू कर दी है। चिन्हित परिवारों के 60 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के वृद्धजनों को भी सत्यापन के दौरान पात्रता के अनुसार आवेदन कराए जाएंगे और उनको लाभ दिलवाया जाएगा। उन्हें जून माह से प्रथम किश्त की पेंशन दी जाएगी। उन्होंने बताया कि योजना को पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक का प्रयोग कर कई ठोस कदम उठाए गए हैं। इसके लिए लाभार्थियों को समय से पेंशन का भुगतान सुनिश्चित कराने के लिए उनके आधार प्रमाणीकरण की कार्यवाही की जा रही है। लाभार्थियों के आधार और मोबाइल नंबर को बैंक खातों से लिकं कराया जा रहा है। एकीकृत पोर्टल के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि एक व्यक्ति किसी एक पेंशन में ही लाभ प्राप्त कर सके।

# नीरज चोपड़ा ने अरशद को इन्विटेशन भेजने पर सफाई दी-कहा- पहलगाम हमले से पहले बुलाया था

**● अब पाकिस्तानी जेवलिन थ्रोअर के आने का सवाल ही नहीं**

स्वतंत्र प्रभात

दो बार के जेवलिन थ्रो के ओलिंपिक मेडेलिस्ट नीरज चोपड़ा ने पाकिस्तानी थ्रोअर को अरशद नदीम को टूर्नामेंट के लिए निमंत्रण देने पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि अरशद नदीम को न्योता पहलगाम हमले से पहले भेजा गया था। देश और उसका हित सबसे पहले है। चोपड़ा ने 24 मई बेंगलुरु में होने वाले एनसी क्लासिक भाला फेंक टूर्नामेंट के लिए पेरिस ओलिंपिक के गोल्ड मेडेलिस्ट अरशद नदीम को भी भाग लेने लिए निमंत्रण भेजा था। जिसके बाद चोपड़ा की देश भक्ति पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें गालियां दी जा रही हैं । सोशल मीडिया पर फैलाया जा रहा है कि पहलगाम में 26 लोगों को आतंकियों ने मार दिया, उसके बाद भी वह पाकिस्तानी थ्रोअर को भारत आने का निमंत्रण दे रहे हैं।

**पहलगाम घटना से दो दिन पहले भेजा था निमंत्रण**

नीरज चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि अरशद नदीम को नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेने के लिए इनविटेशन देने के मेरे फैसले की बहुत चर्चा हो रही है। मुझे गालियां दी जा रहा हैं और मेरे प्रति नफरत फैलाया जा रहा है। मेरे परिवार को भी नहीं छोड़ा गया। मैंने अरशद को जो न्योता दिया वह एक एथलीट की ओर से दूसरे एथलीट को दिया गया था, इससे ज्यादा कुछ नहीं, इससे कम भी नहीं। एनसी क्लासिक का उद्देश्य भारत में सर्वश्रेष्ठ एथलीट्स को लाना और हमारे देश को वर्ल्ड खेल के आयोजन का घर बनाना था। ये न्योता पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों से दो दिन पहले भेजा गया था। पिछले 48 घंटों में जो कुछ भी हुआ है, उसके बाद एनसी क्लासिक में अरशद की मौजूदगी का सवाल ही नहीं उठता। मेरा देश और उसके हित हमेशा सबसे पहले रहेंगे।

**ईमानदारी पर सवाल उठाने और मां के बयान को गलत ढंग से प्रस्तुत से नीरज दुखी हैं**

नीरज ने अपने बयान में आगे कहा कि मैंने इतने सालों से अपने देश को गर्व के साथ संभाला है। आज मेरी ईमानदारी पर सवाल उठाए जा रहे हैं, इससे मैं दुखी हूं। मेरे परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। हम साधारण लोग हैं। मेरी मां के बयान को अब गलत तरीके से




परोसा जा रहा है। मेरी मां ने पेरिस ओलिंपिक के समय अरशद को भी अपने बेटे जैसा बताया था। तब उनके बयान की तारीफ की जा रही थी, अब एक साल बाद उसी बयान को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है।मैं और भी कड़ी मेहनत करूंगा कि दुनिया भारत को सही चीजों के लिए याद रखे और सम्मान के साथ देखे।

**नीरज ने 21 अप्रैल को प्रेस कांफ्रेंस में अरशद को निमंत्रण की दी थी जानकारी**

नीरज चोपड़ा ने 21 अप्रैल को वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में बेंगलुरु में 24 मई को होने वाले एनसी क्लासिक भाला फेंक टूर्नामेंट की जानकारी दी थी और बताया था कि इस टूर्नामेंट भाग लेने के लिए पाकिस्तान के थ्रोअर अरशद नदीम को इनविटेशन दिया है। उनसे बात हुई है, उन्होंने अपने कोच से बातचीत करके इस पर जवाब देने को कहा है।

**22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने 26 लोगों को मार दिया था-** पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियो ने 26 लोगों को मार दिया था। इसमें अधिकांश पर्यटक थे। वहीं एक स्थानीय को भी गोली लगी थी।

**नदीम ने नीरज के इनविटेशन ठुकरा दिया था**

पाकिस्तानी ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट जेवलिन थ्रोअर अरशद नदीम एनसी क्लासिक भाला फेंक टूर्नामेंट में भाग लेने से मना कर दिया। अरशद ने न्यूज एजेंसी से कहा कि एनसी क्लासिक इवेंट 24 मई को है, जबकि मैं 22 मई को एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए कोरिया रवाना हो जाऊंगा। उन्होंने कहा कि वह 27 से 31 मई तक कोरिया में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं। अरशद का यह बयान पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आया है।